



मरुषिवा

*"There is no limit to what we,
as women, can accomplish"*



भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति द्वारा संचालित

गुरुकुल महिला महाविद्यालय

कालीबाड़ी रोड, रायपुर (छ.ग.) फोन : 0771-4053443

Email: info@gurukulraipur.com

Website : www.gmm.ac.in



स्व. डॉ. अरूण कुमार सेन

संस्थापक अध्यक्ष

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, भारतीय संगीत के प्रति पूर्ण समर्पित, तपस्वी साधक एवं अंचल के उज्ज्वल नक्षत्र स्व. डॉ. अरूण कुमार सेन अपनी अद्भुत बुद्धिमता, अथक परिश्रम, अविचल कर्तव्यनिष्ठा एवं स्वभावगत मधुरता के लिए एक अनुकरणीय आदर्श थे। उनके कृतित्व की स्मृति अद्यपर्यन्त चिरस्थायी है। वे एक महान संगीतज्ञ, ख्यातिलब्ध शिक्षाविद, समाजसेवी, नारी शिक्षा के प्रति सदैव समर्पित तथा नाट्य, नृत्य एवं अन्य ललितकलाओं के विकास के लिए सदैव तत्पर रहे। 'कर्म ही पूजा है' सह सूक्ति आजीवन उनकी युक्ति बनी रही।

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मानसिक संतुलन न खोना, व्यवहार में सामान्यता बनाये रखना उनकी चारित्रिक विशेषता रही। भारतीय संस्कृति, साहित्य, कला को समृद्ध करने तथा सत्यम् शिवम् सुन्दरम् के उदान्त भावों का विन्यास करने में छत्तीसगढ़ का अवदान ऐतिहासिक और विशिष्ट ही नहीं वरन उनके लिए मूल्यवान रहा। संगीत और साहित्य में प्रतिभा संपन्न होने के साथ ही, विभिन्न लोकविधाओं में आपकी प्रतिभा मुखर हुई हैं। यही सृजन आपकी अप्रतिम विद्वता, चिंताशीलन और सौन्दर्यवेदित्व की सशक्त अभिव्यंजना बनी। सुगंध, चंदन का स्वाभाविक गुण है। यत्र-तत्र रखने पर भी वह न केवल स्वयं महकता है, वरन् संपूर्ण वातावरण में भी अपनी सुगंध बिखरा देता है। चंदन सा महकता व्यक्तित्व पाया था, डॉ अरूण कुमार सेन ने आज भी खुशबू अपने यशरूपी भाव से आपके होने का एहसास निरंतर कर रहा है।



संपादक की कलम से...

सीमा चंद्राकर

कठोर परिश्रम और धैर्य जीवन में सफलता के मूल मंत्र हैं। मात्र सपनों का संसार बनाने से सफलता प्राप्त नहीं होती, उसे पूरा करने के लिए सतत् प्रयास करना, त्याग, परिश्रम से लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु, साधना करनी होती है। साधना का अर्थ है— स्वयं को नियंत्रित करना। विद्यार्थी जीवन साधना का सुंदर समय है। अपने मन को नियंत्रित कर लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर होने का समय है, धैर्य के साथ निरंतर प्रयास करना। धैर्य के महत्व को समझना होगा। शिक्षण संस्थान वह मंच है, जो विद्यार्थियों को उनके साधना का मार्ग प्रशस्त करता है। शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों में परिश्रम और धैर्य के साथ नैतिक मूल्यों से भी अवगत कराता है। वर्तमान परिदृश्य में संसाधनों की कमी नहीं है, उनका सकारात्मक रूप से प्रयोग किया जाए, तो साधना का फल अवश्य प्राप्त होगा। गुरुकुल महिला महाविद्यालय प्रयासरत् है कि, हम प्रत्येक छात्र में शिक्षा के साथ कौशल विकास कर छात्राओं का सर्वांगीण विकास कर सकें। हमने पत्रिका को एक साझा मंच बनाया है, जहां यह बच्चे अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकें, अपनी कल्पनाओं को कलम में ओके सकें, जो बातें कह नहीं सकते, उसे लिख सकें। लेखन क्षमता का विकास, एकाग्रता और धैर्य का परिणाम होता है। अतः पत्रिका का महत्व इस हेतु भी अधिक है कि, यह छात्राओं में साहित्य के प्रति प्रेम जागरूक करता है, और साहित्य से जुड़ाव निश्चित रूप से प्रगति का मार्ग प्रसस्त करेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त अध्यापकों का मैं आभार व्यक्त करती हूँ, आपके सहयोग से ही हम पत्रिका को मूर्त रूप प्रदान कर सके। मनोज साहू एवं अंकित प्रकाशन का मैं आभार व्यक्त करती हूँ, आपके सहयोग से पत्रिका का प्रकाशन संभव हो सका। प्रतीक्षा है आपके सुझावों का, जिससे हम पत्रिका को प्रत्येक वर्ष नया रूप प्रदान कर सकें।

सहा. प्राध्यापक (हिंदी)
गुरुकुल महिला महाविद्यालय



Udaan..

Empowering girls to soar to extraordinary heights

“One child, one teacher, one book, one pen can change the world.”

-Malala Yousafzai

Education is not just about getting a degree; it's about gaining knowledge and skills that will empower girls for a lifetime. An educated girl has direction. She has hope. She will become a mentor to other girls. She will change the world. The education they receive today is an investment for their bright future where they can confidently face challenges and seize opportunities.

Girls are excelling in all fields; their presence and achievements are reshaping the academic landscape. The ultimate business leaders are emerging from the classrooms, bringing fresh ideas and a determination to make a mark in the professional world.

Girls are not just mere spectators; they are actively shaping the cultural narrative. Whether it's literature, music, or dance, their voices are being heard. Sports are no longer just a boys' arena, girls are excelling as athletes and sports enthusiasts, breaking records and challenging stereotypes. Beyond the campus, girls are actively participating in social causes. They are passionate about making a difference in their communities and beyond. These girls are the prospective leaders ready to emerge as social activists, ready to tackle issues like environmental sustainability and gender equality. These girls are not just studying for themselves; they are studying to contribute to a better world.

The future for these girls is full of promise and potential. It's a future where they are not just students but active participants in shaping the world. As we celebrate their achievements, let's look forward to a tomorrow where every girl can confidently step into the world, equipped with education, skills, and a vision for a brighter future. The journey has just begun, and the possibilities are endless.

“Your dreams are what define your individuality. They have the power to give you wings and make you fly high.” – P. V. Sindhu

Dr. Simrann Rajesh Vermaa

Assistant Professor – English

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर (छत्तीसगढ़) ४६२०१० भारत



Pt. Ravishankar Shukla University

Raipur (Chhattisgarh) – 492010 – INDIA

Office : +91 771-2262857, +91 771-2263439

E-mail : vc_raipur@prsu.ac.in

Website : www.prsu.ac.in



रायपुर, दिनांक 20 अक्टूबर, 2023

शुभकामना

हार्दिक प्रसन्नता का विषय है कि गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका 'अरुणिता' सत्र 2023-24 का प्रकाशन किया जा रहा है।

उच्च शिक्षण संस्थान छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास के सक्षम केन्द्र होते हैं। तकनीकी प्रयोग के साथ युवाओं की रचनात्मक ऊर्जा के विकास, सृजन-क्षमता के प्रदर्शन एवं उनकी अभिरुचि की अभिव्यक्ति के लिए महाविद्यालय सतत क्रियाशील रहे और उत्कृष्ट मानव संसाधन के विकास में अपनी भूमिका में महाविद्यालयीन पत्रिका अपनी सार्थकता को सिद्ध कर सके, ऐसी मेरी कामना है।

अनन्त शुभकामनाओं सहित।

(प्रो.सच्चिदानन्द शुक्ल)

कुलपति

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय

रायपुर (छ.ग.) भारत

फोन : +91-771-2262540

ई-मेल : registrarprsu@gmail.com

वेब : www.prsu.ac.in



Pt. Ravishankar Shukla University

Raipur (C.G.), India

Off. : +91-771-2262540

E mail : registrarprsu@gmail.com

Web : www.prsu.ac.in

क्रमांक / 2011 / कु.स. / 2023

रायपुर, दिनांक 19 / 10 / 2023



// शुभकामना संदेश //


अत्यंत हर्ष का विषय है कि भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति द्वारा संचालित गुरुकुल महिला महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "अरुणिता" का प्रकाशन सत्र 2023-24 के लिये किया जा रहा है।

भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति का न केवल प्रदेश में वरन् पूरे भारतवर्ष में देश एवं राज्य की कला, संस्कृति, संगीत विधाओं को बनाये रखने में महत्वपूर्ण योगदान है।

यही कारण है कि सम्पूर्ण विश्व में आज भी भारतीय कला, संस्कृति, संगीत विधाओं को सम्मान प्राप्त है।

आशा है कि महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "अरुणिता" के माध्यम से महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों को अपनी मौलिक रचनाओं के प्रस्तुतीकरण का एक उचित अवसर प्राप्त होगा।

"शुभकामनाओं सहित"


कुलसचिव



भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति

(पंजीयन क्रमांक 16/1951-52) (e-mail: - blssr1950@gmail.com)

गाँधी चौक, रायपुर (छ.ग.) भारत

गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड़, रायपुर (छ.ग.) भारत

तरल मोदी

अध्यक्ष

09425206801

अजय तिवारी

उपाध्यक्ष

08770983152

श्रीमती शोभा खण्डेलवाल

सचिव

09827406385

क्रमांक : BLSSR/495/2023

दिनांक : 10/10/2023



अध्यक्ष की कलम से

मानव जीवन को विकसित करने के लिए शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा भारत अपने हजारों साल की संस्कृति को संजोकर भविष्य में विकसित देशों के साथ कदम मिलाकर चल सकेगा। गुरुकुल महिला महाविद्यालय का उद्देश्य अध्ययनरत छात्राओं को उत्कृष्ट शिक्षा देना एवं अनुशासित चरित्र निर्माण है जिससे भविष्य में छात्रायेँ समाज निर्माण में योगदान दे सकें। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए महाविद्यालय शैक्षणिक तथा सहशैक्षणिक गतिविधियों द्वारा सतत प्रयासरत है।

पूरे महाविद्यालय परिवार को पत्रिका प्रकाशन हेतु शुभकामनाओं सहित!

तरल मोदी

अध्यक्ष

भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति
रायपुर (छ.ग.)



फोन : 0771-4053443

गुरुकुल महिला महाविद्यालय

छत्तीसगढ़ शासन तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से संबंध

गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड, रायपुर (छ.ग.) ई-मेल : info@gurukulraipur.com, Website : www.gmm.ac.in

संचालित भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति, गांधी चौक, रायपुर (छत्तीसगढ़) पंजीयन क्रं. 16/51-52

क्रमांक : _____

दिनांक : _____



अध्यक्षीय शुभकामना

भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति द्वारा सन 2001 में गुरुकुल महिला महाविद्यालय की स्थापना छात्राओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से किया गया था। समिति का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के साथ कला का प्रचार-प्रसार है। महाविद्यालयीन पत्रिका 'अरुणिता' का प्रकाशन छात्राओं का भाषा के प्रति रुचि को प्रोत्साहित करना एवं उनके मनोभावों और विचारों को प्रस्तुत करने हेतु एक सशक्त माध्यम है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 'अरुणिता' का प्रकाशन इस उत्तरदायित्व के निर्वहन का साक्ष्य है।

विद्यार्थियों की प्रतिभा, क्षमता और प्रयास सदैव स्मरणीय और अग्रण्य रहे। इसी विश्वास और आशा के साथ महाविद्यालय परिवार को शुभकामना और आशीष सहित!


अजय तिवारी
अध्यक्ष, शासी निकाय



भारतखण्डे ललितकला शिक्षा समिति

(पंजीयन क्रमांक 16/1951-52) (e-mail: - blssr1950@gmail.com)

गाँधी चौक, रायपुर (छ.ग.) भारत
गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड़, रायपुर (छ.ग.) भारत

तरल मोदी
अध्यक्ष
09425206801

अजय तिवारी
उपाध्यक्ष
08770983152

श्रीमती शोभा खण्डेलवाल
सचिव
09827406385

क्रमांक : BLSSR/494/2023

दिनांक : 10/10/23



संदेश

‘अरुणिता’ का यह नया अंक छात्राओं की मौलिक रचनाओं का संकलन है। गुरुकुल विगत 23 वर्षों से ना केवल छात्राओं के मानसिक पटल के निर्माण का कार्य रहा है अपितु उनमें मानवीय चेतनाओं, अनुभूतियों और समस्याओं से साक्षात्कार कराने में सक्रिय भूमिका अदा कर रहा है।

मुझे आशा ही नहीं अपितु विश्वास है कि महाविद्यालय की छात्रायें आगे चलकर प्रबुद्ध देशभक्त एवं विविध कौशलों से परिपूर्ण सभ्य नागरिक बनेंगे जो ना केवल अपने परिवार अपितु समाज और देश के विकास में अपना सक्रिय योगदान देकर मानव जीवन को सफल बनायेंगे। प्राचार्य, संपादक मंडल, प्राध्यापक और सभी छात्राओं को अनेकोनेक बधाई सहित!

श्रीमती शोभा खंडेलवाल

सचिव



फोन : 0771-4053443

गुरुकुल महिला महाविद्यालय

छत्तीसगढ़ शासन तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से संबंध

गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड, रायपुर (छ.ग.) ई-मेल : info@gurukulraipur.com, Website : www.gmm.ac.in

संचालित भातखम्हे ललितकला शिक्षा समिति, गांधी चौक, रायपुर (छत्तीसगढ़) पंजीयन क्रं. 16/51-52

क्रमांक : 4618/23

दिनांक : 10.10.2023



प्राचार्य की कलम से....

भाषा, विचार, विनिमय का उचित साधन और अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम है। प्रत्येक विवेकशील प्राणी भाषा और संकेतो के सहारे अपनी सोच, समझ, व्याख्या तथा समालोचना को अपने तरीके से प्रस्तुत करता है। महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'अरुणिता' छात्राओं की इसी प्रतिभा को प्रस्तुत करने का एक मंच है।

नव गति, नव लय, ताल—छंद नव,

नवल कंठ, नव जलद—मन्द्ररव,

नव नभ के नव विहग—वृन्द को

नव पर, नव स्वर दें! — निराला

कवि निराला की इन पंक्तियों के भावार्थ को महाविद्यालय अपने सतत् प्रयास से सिद्ध करने के लिए लगातार कार्यरत है। महाविद्यालयीन छात्रायें, संपादक मंडल तथा सभी प्राध्यापक एवं अशैक्षणिक स्टाफ को पत्रिका प्रकाशन की अनेकों शुभकामनायें!

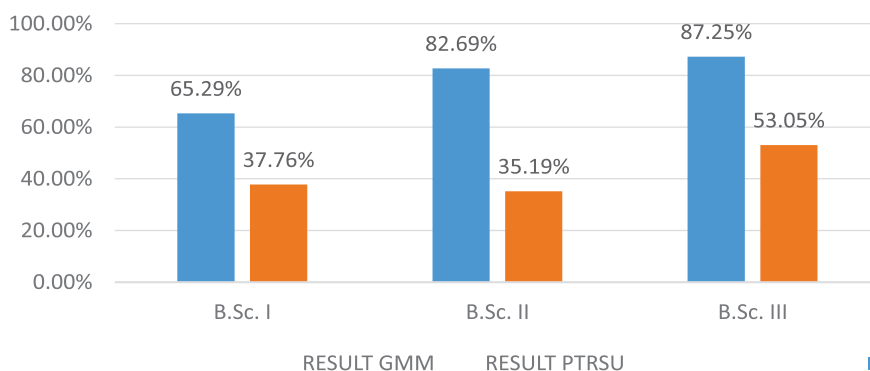

प्राचार्य

विज्ञान विभाग

गुरुकुल महिला महाविद्यालय में विज्ञान विभाग का आरंभ महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही सन् 2001 से हुआ। विज्ञान समूह के अंतर्गत स्नातक स्तर पर बी.एस.सी. (गणित, कम्प्यूटर विज्ञान एवं जीव विज्ञान समूह) संचालित है जिसमें प्रत्येक समूह में 50-50 सीटें आबंटित हैं। वर्तमान में विज्ञान विभाग में 13 प्राध्यापक विभिन्न विषयों में कार्यरत हैं। प्रायोगिक पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सर्वसुविधायुक्त, सुसज्जित विषयवार प्रयोगशाला महाविद्यालय में उपलब्ध है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए महाविद्यालय में विज्ञान परिषद का गठन विज्ञान विभाग द्वारा किया जाता है जिसके अंतर्गत छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिवर्ष संगोष्ठी, व्यक्तित्व विकास संबंधी कार्यक्रम, क्विज, भाषण आदि प्रतियोगितायें तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाती है। छात्राओं के प्रायोगिक ज्ञान के लिए समय-समय पर बायोलॉजिकल संस्थान व इंडस्ट्रीयल विजिट कराया जाता है।

वर्ष 2022-23 का परीक्षाफल निम्नानुसार है: —

कक्षा	परीक्षाफल
बी.एस.सी. प्रथम	65.29%
बी.एस.सी. द्वितीय	82.69%
बी.एस.सी. तृतीय	87.25%



विज्ञान विभाग में कार्यरत विभागवार प्राध्यापक निम्न है:-

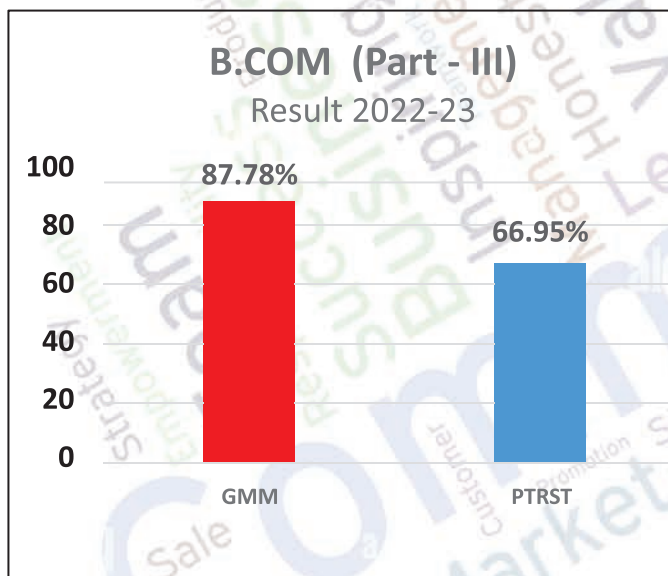
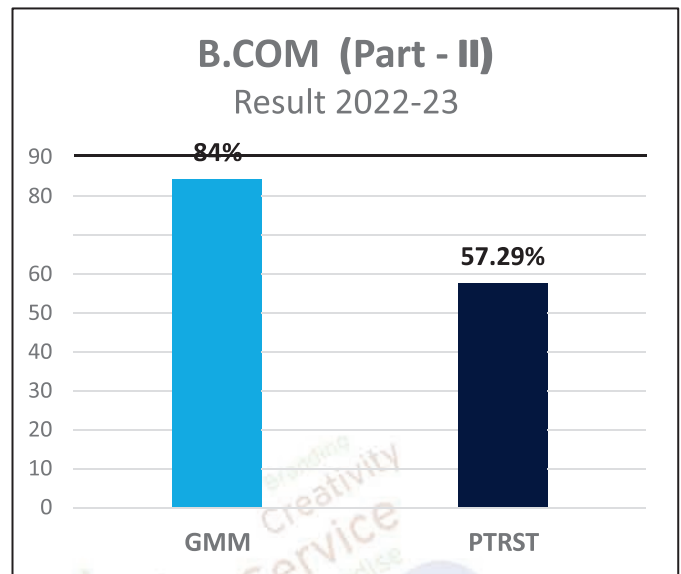
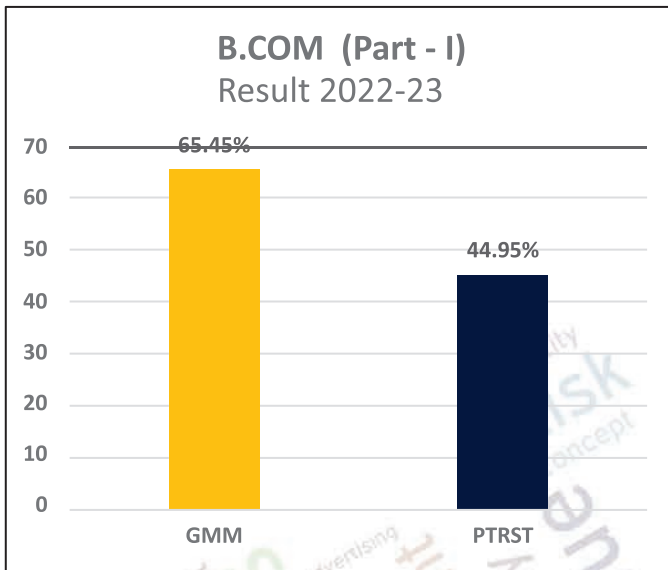
1.	डॉ. वंदना अग्रवाल	(विभागाध्यक्ष, विज्ञान विभाग)
2.	डॉ. अराधना सिंह	(रसायन विभाग)
3.	डॉ. मेघा अग्रवाल	(वनस्पति विभाग)
4.	डॉ. अंकिता चौधरी	(वनस्पति विभाग)
5.	डॉ. देवश्री वर्मा	(जंतु विभाग)
6.	सुश्री प्रीति साहू	(जंतु विभाग)
7.	डॉ. टीनू दुबे	(गणित विभाग)
8.	श्रीमती अवंतिका सोनी	(गणित विभाग)
9.	सुश्री पूनम गोस्वामी	(गणित विभाग)
10.	डॉ. अनुराधा गुप्ता	(भौतिक विभाग)
11.	श्रीमती वर्षा सोनी	(भौतिक विभाग)
12.	डॉ. सीमा चंद्राकर	(हिन्दी विभाग)
13.	डॉ. सिमरन वर्मा	(अंग्रेजी विभाग)

वाणिज्य विभाग

भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति द्वारा संचालित गुरुकुल महिला महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2001 में वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत बी.काम. की 60 सीट के साथ प्रारंभ हुई तथा वर्ष 2005 में एम.काम. की कक्षाएँ 30 सीट के साथ प्रारंभ की गई।

वर्तमान में बी.काम. (प्लेन) – 100 सीट तथा बी.काम. (कम्प्युटर) – 100 सीट एवं एम.काम. – 30 सीट (प्रत्येक सेमेस्टर) आबंटित है। वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत 09 सहायक प्राध्यापक कार्यरत है। प्रत्येक वर्ष विभाग द्वारा छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु संगोष्ठी, व्यक्तित्व विकास संबंधी कार्यक्रम, रिमिडियल कक्षाएँ, कार्यशाला, आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा, खेल संबंधी गतिविधियाँ तथा विभिन्न प्रतियोगिताएँ जैसे – वाद-विवाद, रंगोली, मेंहन्दी का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। तथा एम.काम. की छात्राओं को शोध कार्य हेतु मार्गदर्शन दिया जाता है।

वर्ष 2022-23 में वार्षिक परीक्षा परिणाम बी.काम. प्रथम वर्ष, बी.काम. द्वितीय वर्ष, बी.काम. अंतिम वर्ष तथा एम. कॉम. में शत-प्रतिशत परिणाम रहा।



वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक

1. डॉ. राजेश अग्रवाल (विभागाध्यक्ष)
2. श्रीमती कविता सिलवाल
3. श्रीमती रात्रि लहरी
4. डॉ. ज्योति अग्रवाल
5. सुश्री मान्या शर्मा
6. श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी

कम्प्यूटर विभाग

भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति द्वारा संचालित गुरुकुल महिला महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2001 में कम्प्यूटर संकाय के अन्तर्गत बी.सी.ए की 30 सीट, पी.जी.डी.सी.ए / डी.सी.ए 60 / 60 सीट आबंटित है।

छात्राओं को कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग एवं इसके विभिन्न अनुप्रयोग सिखाने के लिए सर्वसुविधायुक्त दो कम्प्यूटर लैब हैं। लैब में छात्राओं के लिए फ्री WI FI एवं इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में प्रचलित प्रोग्रामिंग लैंग्वेज एवं कम्प्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में चल रही आधुनिक तकनीक की जानकारी देने के लिए नियमित रूप से एक्सपर्ट लेक्चर आयोजित किये जाते हैं।

रोजगार परक कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करने के लिए समय-समय पर वर्कशॉप एवं ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु व्यक्तित्व विकास सेमीनार, क्विज कॉम्पिटिशन एवं PPT प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

प्रतिवर्ष छात्राओं के लिए 7 दिवसीय हार्डवेयर ट्रेनिंग कार्यशाला आयोजित की जाती है, जिसमें छात्राओं को कंप्यूटर हार्डवेयर के बारे में विस्तृत रूप से सिखाया जाता है।

छात्राओं को कैरियर गाइडेंस एवं कम्प्यूटर विषय में उच्च शिक्षा की जानकारी देने के लिए विभिन्न सेमीनार आयोजित किये जाते हैं। प्रतिवर्ष कैरियर कॉउंसलिंग, जॉब प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाता है।

कम्प्यूटर विभाग:-

1. डॉ. अमिता तेलंग (विभागाध्यक्ष)
2. कु. अंशिका दुबे (सहायक प्राध्यापक)
3. श्रीमती प्रियंका तिवारी (सहायक प्राध्यापक)
4. डॉ. स्नेहा ठाकुर (सहायक प्राध्यापक)
5. वैभव सिंह ठाकुर (लैब टेक्निशियन)
6. मनोज कुमार साहू (लैब टेक्निशियन)

COMPUTER COUNCIL EVENTS



Career Guidance

Cyber Security Awareness

Workshop on UX/UI Design



Hardware Training

Expert Lecture on Data Science



डिजिटल पुस्तकालय और सूचना केंद्र

सूचना समाज के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए बहुत आवश्यक है। मानवीय इतिहास विभिन्न अवस्थाओं से गुजर चुका है, कृषि क्रांति, औद्योगिक क्रांति तथा सूचना क्रांति इनमें से ही एक है। इसी प्रकार ग्रंथालय व्यवसायी भी मानव जाति द्वारा लाई गई विभिन्न क्रांतिकारी परिवर्तन से गुजर चुके हैं। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की क्रांति ने डिजिटल स्वरूप में अधिक गति और अर्थव्यवस्था के साथ सूचना पहुंचाना शुरू कर दिया है, जिससे डिजिटल पुस्तकालय का विकास हुआ। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पारंपरिक ज्ञान को संग्रह करने, उस तक पहुँचने, सूचना को डिजिटल करने और संरक्षित करने में अधिक अवसर प्रदान करती है। लाइब्रेरी का पहला और महत्वपूर्ण उद्देश्य सही उपयोगकर्ताओं को सही समय पर सही तरीके से सही जानकारी प्रदान करना है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी विशेष रूप से इंटरनेट और वेब, ने सूचना संरक्षण, प्रसार, उपयोग और उपयोग के तरीकों में बड़े पैमाने पर बदलाव लाए हैं। पहले के दिनों में सूचना मुद्रित प्रारूप में उपलब्ध कराई जाती थी। हालांकि, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की उन्नति के साथ, स्थिति में बदलाव आया है क्योंकि मुद्रित जानकारी को इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में परिवर्तित कर उपयोग के लिए उपलब्ध किया गया है। इसके परिणामस्वरूप वर्ल्ड वाइड वेब (www) के माध्यम से विद्वानों के साहित्य तक पहुंच प्रदान करने के लिए प्रकाशकों, संस्थागत और व्यक्तिगत स्तर पर डिजिटल पुस्तकालयों का विकास हुआ। आज, डिजिटल पुस्तकालयों का विकास विकसित और विकासशील देश दोनों में तेजी से हो रहा है। डिजिटल लाइब्रेरी द्वारा इंटरनेट पर कई प्रकार की आर्टिकल, बुक, इमेज, मैगजीन इत्यादि को आसानी से पढ़ सकते हैं। डिजिटल लाइब्रेरी को एक तरह के की वर्चुअल लाइब्रेरी माना जाता है। दूसरे शब्दों में इसे हाइब्रिड लाइब्रेरी और इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी भी कहते हैं।

उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के पुस्तकालय और सूचना केंद्र ने इन-हाउस डिजिटल सामग्री जैसे अनुसंधान रिपोर्ट, शोधकर्ताओं के प्रकाशन, शोध और शोध प्रबंध आदि के साथ संस्थागत रिपोजिटरी स्थापित करने का काम किया है। शोध संस्थान और शैक्षणिक संस्थान अपना संगठन बना रहे हैं। विश्वविद्यालयों में शोधकर्ताओं एवं प्राध्यापकों के लिए ओपन-एक्सेस जर्नल, ई पीजी पाठशाला, संस्थागत रिपोजिटरी, शोधगंगा, शोधगंगोत्री से इनफिलबनेट एवं अन्य नेटवर्क संस्था द्वारा से एक मंच प्रस्तुत किया गया है। सूचना के माध्यम से शिक्षा पर अपने राष्ट्रीय मिशन के तहत मानव संसाधन विकास और संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत (NDL इंडिया) पायलट परियोजना के राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी की शुरुआत की है। NDL भारत किसी भी भाषा की सामग्री को धारण करने के लिए बनाया गया है और स्थानीय भाषा भाषाओं प्रमुख के लिए इंटरफेस का समर्थन प्रदान करता है। यह सभी विषयों के शोधकर्ताओं और शिक्षार्थियों के लिए सहायता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। यह छात्रों को सर्वोत्तम स्रोतों से अवगत करने, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी करने में मदद करने के लिए तथा शोधकर्ताओं को सक्षम करने के लिए विकसित किया गया है।

डॉ. अदिति जोशी

ग्रंथपाल

गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर





उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ॥ (सुभाषित)



शैक्षणिक संस्थाओं का आज यह नैतिक दायित्व है कि वह अपने संस्थाओं में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हर एक पहलू पर ध्यान दे ताकि वह जीवन को सही दिशा और विकास के पथ पर अग्रसर कर सके। छात्राओं के सर्वांगीण विकास, उनके ज्ञान अन्तःशक्ति, योग्यता का निर्माण, पूर्णतम मात्रा तक शारीरिक और मानसिक योग्यता का विकास हो सके। अतः यह जरूरी है कि शारीरिक शिक्षा और खेलों के द्वारा अच्छे स्वास्थ्य व विकास का उच्चतम समन्वय हर शैक्षणिक संस्था के माध्यम से स्थापित किया जाये। शारीरिक शिक्षा न केवल छात्राओं के शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है बल्कि शारीरिक क्षमता और मानसिक संचेतना को भी प्रभावित करता है। यह कुछ सदगुणों को विकसित करने में भी मदद करता है जैसे खेल भावना का विकास, नेतृत्व, अनुशासन, विजय भावना,

और हार को स्वीकारना।

ऐसी ही मूलभूत प्रवृत्तियों के विकास के लिये हमारा गुरुकुल महिला महाविद्यालय सदैव तत्पर और क्रियाशील रहता है। इसी का परिणाम है कि हमारे महाविद्यालय के प्रांगण से हर वर्ष छात्राओं का शैक्षणिक के साथ-साथ खेलकूद की विधाओं में भी न केवल सार्थक सहभागिता रहती हैं अपितु खेल के विभिन्न मंचों पर अपनी उत्तम भागीदारी का हस्ताक्षर भी सक्रियता से करते हैं। छात्राओं के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभिन्न खेल संक्रियाओं में महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

इस वर्ष अभी तक महाविद्यालय की छात्राएँ मूलतः सेक्टर स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में शामिल होकर राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिये चयनित हुयीं। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सेक्टर स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में महाविद्यालय को प्रथम स्थान मिला। पिछले एक दशक से भी ज्यादा बार महाविद्यालय की छात्राएँ सेक्टर स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में महाविद्यालय को प्रथम स्थान दिलाती आ रही हैं। यह गौरव का विषय है।

विभिन्न खेलों में महाविद्यालय के छात्राओं की सहभागिता रहती है, इनमें बास्केट बॉल, सॉफ्ट टेनिस, खो-खो, जैसे खेलों का आयोजन हो चुका है। इनमें हमारे महाविद्यालय के छात्राओं का प्रदर्शन हर वर्ष की भांति उत्तम रहा है।

सॉफ्ट टेनिस और लॉन टेनिस में खेलो इंडिया में त्रिवेणी सोनकर ने प्रतिनिधित्व किया। लॉन टेनिस में इस छात्रा ने भाग लेकर ब्रान्ज मेडल अपने नाम किया।



यह तो विदित ही है कि महाविद्यालय से छात्रायें कुश्ती, जुडो, हैण्डबॉल, खो-खो, बैडमिन्टन, तैराकी सॉफ्टबॉल, जैसी प्रतियोगिता में पं० रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के टीम सदस्य के रूप में प्रतिनिधित्व करती रही है।

महाविद्यालय के द्वारा विभिन्न खेल शिविरों का आयोजन भी समय-समय पर किया जाता रहा है। जिनमें विशेष रूप से खो-खो, कबड्डी, हैण्डबॉल, टेबल-टेनिस, शतरंज और कुश्ती जैसी खेल विधा प्रमुखता से शामिल है। यही कारण है कि महाविद्यालयीन छात्रायें न केवल सेक्टर स्तरीय अपितु राज्य स्तरीय एवं विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भी अपना स्थान बनाने में सफल रहती हैं।

प्रतिवर्ष खेल कैलेंडर वर्ष में गुरुकुल महिला महाविद्यालय की छात्राओं का प्रदर्शन और सहभागिता आने वाली युवा छात्राओं के लिये सदैव प्रेरणा का काम करता है।

इन्हीं आशाओं के साथ कि
 .।।गुरुकुल की बगिया में हर समय रहे ऐसे ही फूलों की महक,
 रोशन करे नाम सभी का गुँजाए हो हर दिशा में इनका वंदन।।

डॉ० रिकू पाण्डेय

क्रीडाधिकारी



Importance of Technology

प्रौद्योगिकी के महत्व



प्रौद्योगिकी मानव जाति के लिए प्रगति का मार्ग हैं। पहिए के आविष्कार से लेकर इंटरनेट बनाने तक की दुनिया बहुत आगे बढ़ चुकी हैं। हमारी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियाँ सभी अलग-अलग तरीकों से प्रौद्योगिकी पर निर्भर हैं।

प्रौद्योगिकी ज्ञान की वह शाखा है जो

तकनीकी साधनों के निर्माण और पर्यावरण से उनके संबंध को पूरा करती हैं। प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन में जो बदलाव लाए हैं, वे समय की बचत कर रहे हैं, त्वरित संचार और बातचीत को सक्षम कर रहे हैं, जीवन की बेहतर गुणवत्ता, सूचना तक आसान पहुँच और सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। मानव जाति की मदद करने के लिए नवीनतम आविष्कार पर्यावरण के बदलाव पर विचार कर रहा है। हरित प्रौद्योगिकी हमें प्रगति में मदद करने के लिए उपहार देती रहती है। यह वर्षों की कड़ी मेहनत और श्रम है कि हमने प्रौद्योगिकी ने इतने चमत्कार हासिल किए हैं।

फ्रीमैन डायसन के अनुसार “प्रौद्योगिकी ईश्वर का उपहार हैं। जीवन के उपहार के बाद, यह शायद भगवान का सबसे बड़ा उपहार है। यह सभ्यताओं, कलाओं और विज्ञानों की जननी है।” उदाहरण हमें हमारे जीवन में प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में बताता है। सभी विभिन्न क्षेत्र इस पर भी निर्भर है।

प्रज्ञान रोवर

प्रज्ञान शब्द का अर्थ (विशेष ज्ञान) चन्द्रमा की सतह पर भ्रमण करने और आँकड़े एकत्र करने वाला एक रोवर है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) (चन्द्रयान-3) मिशन के तहत चन्द्रमा पर उतारा है।

रोवर का पिछला संस्करण 22 जुलाई सन् 2019 को “चन्द्रयान-2” के हिस्से के रूप में छोड़ा गया था और 6 सितम्बर को चन्द्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त होने पर इसके लैंडर विक्रम के साथ नष्ट हो गया था। 14 जुलाई 2023 को विक्रम और प्रज्ञान को नए संस्करण “चन्द्रयान-3” के साथ लॉन्च किया गया, जो 23 अगस्त को चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरा।

“प्रज्ञान रोवर” ने चांद की सतह पर अपने भ्रमण के दौरान कई तत्वों की खोज की। ISRO के मुतबिक, रोवर की सबसे बड़ी खोज सल्फर है। इसके अलावा अन्य कई तत्वों की भी खोज हुई है। रोवर का अगला काम हाइड्रोजन की तलाश करना है।

“चन्द्रयान-3” मिशन रोवर ने अपना कार्य पूरा किया। इसे अब सुरक्षित रूप से पार्क किया है और स्लीप मोड में सेट किया गया है। APXS और LIBS पेलोड बंद है। इन पेलोड से डेरा लैंडर के माध्यम से पृथ्वी पर प्रेषित किया जाना है। प्रज्ञान रोवर का जीवन काल एक चन्द्र दिवस या पृथ्वी पर 14 दिन है। प्रज्ञान रोवर को अपने प्रारंभिक कार्यों को सफलता पूर्वक पूरा करने के बाद 2 सितम्बर को स्लीप मोड में रखा गया था।

अंशु चंद्राकर

बी.एस.सी. (तृतीय वर्ष)

प्रज्ञान रोवर की विशेषताएँ

प्रज्ञान रोवर एक छोटा, चार पहिया वाला रोवर है, जिसका वजन लगभग 26 किलोग्राम है। इसका आकार एक छोटी कार के बराबर है, लैंडिंग के करीब 15 से 30 मिनट बाद लैंडर का दरवाजा खुलेगा और अंदर से प्रज्ञान रोवर बाहर निकलेगा। रोवर एक पहिए वाला डिवाइस या व्हीकल है जो एक जगह से दूसरी जगह जा सकती है। इसका काम इधर-उधर जाकर जगह को एक्सप्लोर करना तथा रिसर्च करना है।

प्रज्ञान रडार, एक स्पेक्ट्रोमीटर, एक कैमरा, एक लेजर यह सभी प्रज्ञान रोवर के मुख्य उपकरण हैं, जो इसे चन्द्रमा की सतह पर वैज्ञानिक प्रयोग करने में सक्षम बनाते हैं यह चन्द्रमा पर 5 किलोमीटर सतह तक की दूरी तय कर सकता है।



भारती यादव

एम.काम. (तृतीय सेमेस्टर)

महिला आरक्षण



“यह भीख नहीं अधिकार है
जन—जन की यही पुकार है
महिलाओं की मजबूरी है
उन्हें आरक्षण बहुत जरूरी है।”

क्या है महिला आरक्षण बिल
महिला आरक्षण विधेयक
लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में
महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण का प्रावधान करता है।
इस विधेयक के तहत महिलाओं के लिए 33% सीटें आरक्षित
होंगी। महिला आरक्षण बिल का नाम नारी शक्ति वंदना
अधिनियम बिल रखा गया है, इस बिल को 128वें संविधान
संशोधन विधेयक के तहत पेश किया गया। इस बिल से
महिला सशक्तिकरण को मजबूती मिल सकेगी।

महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा वर्ष 1996 में पूर्व
प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल से ही की
जाती रही है।

महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने हेतु किये
गये प्रयासः—

1996 — पहला महिला आरक्षण विधेयक संसद में पेश किया
गया।

1998—2003— सरकार ने 4 अवसरों पर विधेयक पेश किया
लेकिन पारित कराने में असफल रही।

2009— विभिन्न विरोधों के बीच सरकार ने विधेयक पेश
किया।

2010— केंद्रीय मंत्रिमंडल और राज्यसभा द्वारा पारित।

2014— विधेयक को लोकसभा में पेश किये जाने की उम्मीद
थी।

किसने किया महिला आरक्षण बिल का विरोध—
सर्वसम्मति के साथ एक स्वर में लोकसभा और
राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल को पास किये जाने के
क्रम में ए आईएम आईएम के सिर्फ दो सांसदों ने इस बिल
का विरोध किया। हालांकि अभी जो राज्यसभा में नारी शक्ति
वंदन अधिनियम बिल पर वोटिंग के दौरान कोई हंगामा
नहीं हुआ।

महिला आरक्षण बिल से जुड़ी मुख्य बातेंः—

1. लोकसभा और राज्यसभा में निर्विरोध पास हुआ
महिला आरक्षण बिल नए संसद भवन में पारित होने वाला
यह पहला विधेयक है।

2. इस बिल को करीब 454 सांसदों के समर्थन से
पारित किया गया। केवल दो सांसदों ने इसके खिलाफ वोट
किया।

3. महिला आरक्षण विधेयक की पहल यूपीए सरकार के
तहत की गई थी।

4. पहली बार महिला आरक्षण विधेयक को 12 सितंबर
1996 को पेश किया गया था।

“राजस्थान गुजरात जला
हरियाणा अब जल रहा है
आरक्षण की आग में जलने को
पूरा भारत देश मचल रहा

जेल में अनशन पर हार्दिक बैठा
रेल पटरियों पर बैठा है जाट
जातिवाद की बुनियाद पर बैठा
भारत का लोकतांत्रिक समाज।

आरक्षण नहीं यह प्रतिभाओं का
भक्षणवाद बनकर नफरत फैलाया।
अगड़ा पिछड़ा दलित के नाम पर
राजनेताओं ने राष्ट्रवाद को बिखराया।

अब न जाने किसकी बारी है
किस जाती राज्य की तैयारी है
आरक्षण की आग सुलग रही है
आज भारत माँ झुलस रही है

विकास का दीप विनाश की मशाल बनकर
अब धधक रहा है जलने को
ये भारत माँ के सपूतों अब आगे आओ
जातिवाद नेताओं से देश बचाने को।।”

मोनिका सैनी

एम.काम. (तृतीय सेमेस्टर)

ISRO की सफलता



आपने इसरो (ISRO) का नाम तो सुना ही होगा। ISRO का पूरा नाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन [Indian Space Research Organisation] है। भारत सरकार के सभी अंतरिक्ष अभियानों का संचालन ISRO के अंतर्गत ही होता है। ISRO संस्था के अंतर्गत समस्त अंतरिक्ष प्रक्षेपण और समय-समय पर उपग्रहों

का परीक्षण भी किया जाता है। भारत के विकास में और अन्य देशों के साथ खगोलशास्त्र की दौड़ में इसरो ने एक अहम भूमिका निभाई है।

ISRO की स्थापना 15 अगस्त वर्ष 1969 को विक्रम साराभाई के द्वारा की गई थी। इसरो का वार्षिक बजट लगभग 14 करोड़ है। इसके वर्तमान निदेशक डॉ. के. शिवान हैं। ISRO केन्द्र सरकार के अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत आता है जिसका अध्यक्ष भारत का प्रधानमंत्री होता है। भारत ISRO के सफल प्रयासों के कारण ही विश्व का छठा देश बन गया है जो स्वयं सैटेलाइट और अन्य उपकरण का निर्माण करके अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित कर सकता है। ISRO का मुख्यालय कर्नाटक राज्य की राजधानी बैंगलुरु में स्थापित है।

देश भर में ISRO के छः प्रमुख केन्द्र तथा कई अन्य इकाईयां, एजेंसी सुविधाएं और प्रयोगशाला स्थापित है। यह केन्द्र इस प्रकार है:-

- (i) विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र (VSSC), तिरुवनंतपुरम
- (ii) इसरो उपग्रह केन्द्र (ISC) बेंगलुरु
- (iii) सतीशधवन अंतरिक्ष केन्द्र (SDSC), श्रीहरिकोटा
- (iv) प्रव नोदन प्रणाली केन्द्र (LPSC), तिरुवनंतपुरम
- (v) अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र (SAC), अहमदाबाद
- (vi) राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केन्द्र (NRSC) हैदराबाद

इसरो की उपलब्धियां (Achievements of ISRO)

इसरो द्वारा विकसित किए गए कुछ खास प्रक्षेपण यान:-

- 1970: उपग्रह प्रक्षेपण यान
- 1987: संवर्धित उपग्रह प्रक्षेपण यान
- 2001: भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान
- 2008: ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान

1975: पहला भारतीय उपग्रह आर्यभट्ट का प्रक्षेपण

2013: 4 नवम्बर को मंगलयान का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण

1980: SLV-3 की सहायता से रोहिणी उपग्रह का प्रक्षेपण

इसरो का मिशन मून (Mission Moon of ISRO)

ISRO ने चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग करने के उद्देश्य से 'चंद्रयान-1', 'चंद्रयान-2' और 'चंद्रयान-3' को लॉन्च किया।

"चंद्रयान-1" को इसरो द्वारा 22 अक्टूबर 2008 को श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था। परन्तु संचार समस्या के कारण अगस्त 2009 में इस मिशन को समाप्त कर दिया गया।

"चंद्रयान-2" को इसरो द्वारा 22 जुलाई 2019 को श्री हरिकोटा रेंज से 02:43 बजे सफलता पूर्वक प्रक्षेपित किया था। चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक चांद की कक्षा में प्रवेश करने के बाद अंतिम समय में लैंडर लैंडिंग से लगभग 2.1 किमी. की दूरी पर अपनी राह से भटक गया और इस तरह यह मिशन भी अधूरा रह गया।

"चंद्रयान-3" ISRO के 'चंद्रयान-1' और 'चंद्रयान-2' में लगातार दो बार असफलता प्राप्त होने के कारण ISRO अपने उद्देश्य को प्राप्त ना कर सका। तथा उसे अपने मिशन पर कामयाबी नहीं मिली। परन्तु ISRO ने अपनी मेहनत और कोशिश के बल पर अपने तिसरे प्रयास चंद्रयान-3 में आखिरकार सफलता प्राप्त हुई। जिससे ISRO ने चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग किया। ISRO की कोशिश और मेहनत ने यह साबित कर दिया कि-

"लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।"

"चंद्रयान-3" की मुख्य बातें:-

1. चंद्रयान-3 मिशन ने 14 जुलाई 2023 को 2.35 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र, श्री हरिकोटा केन्द्र से उड़ान भरी थी।
2. चंद्रयान-3 के मिशन का उद्देश्य था चन्द्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग करना।
3. चंद्रयान-3 के मिशन का वित्तीय बजट 615 करोड़ रुपये यानी करीब 75 मिलीयन डॉलर था।
4. चंद्रयान-3 योजना के अनुसार 23 अगस्त 2023 को शाम 6.04 बजे चन्द्रमा कि दक्षिणी ध्रुव पर

5. सफलतापूर्वक लैंडिंग कि। चन्द्रयान-3 मिशन से भारत चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलता पूर्वक अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला देश बन गया।
6. चन्द्रयान-3 के कारण भारत अमेरिका रूस और चीन के बाद चन्द्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है।
7. चन्द्रयान- 3 मिशन में दो मॉड्यूल, प्रोपल्शन मॉड्यूल (PM) और लैंडर मॉड्यूल (LM) है।
8. चन्द्रयान- 3 चन्द्रमा के जिस स्थान पर उतरा है अब उस Point को शिवशक्ति के नाम से जाना जाएगा और हर साल 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाएगा।
9. चंद्रयान-3 मिशन की स्टड 3 रॉकेट प्रणाली का उपयोग करके लांच किया गया है।
10. चन्द्रयान-3 के रोवर का नाम प्रजान है, प्रजान लैंडर से अलग होकर चन्द्रमा की सतह पर 10 दिनों तक चलेगा।

ISRO अब से चन्द्रयान-3 से बहुत बड़ी सफलता प्राप्त हुई थी अब हो सकता है कि आने वाले सालों में ISRO द्वारा इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी की जा सकती है। ISRO को अभी और बहुत-सी सफलता प्राप्त करना है तथा भारत का विकास करना है

उजमा कौसर
एम.काम. (प्रथम सेमेस्टर)

“मतदान मेरा अधिकार”

मैं एक स्वतंत्र देश का नागरिक हूँ, मतदान मेरा अधिकार ही नहीं बल्कि मेरी जिम्मेदारी भी है, मतदान ऐसी शक्ति है जिसका उपयोग कर मैं एक योग्य व्यक्ति को चुन सकता हूँ और देश के विकास में भागीदार हो सकता हूँ। इसी दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारी को निभायें और मताधिकार का प्रयोग करें।



“बुजुर्ग हो या जवान, सबसे पहले जरूरी काम,
राष्ट्र के हित में, सभी करें मतदान।

जो करे राष्ट्र के हित की बात, हमारा वोट उसी के साथ, सुनो सुनो जरूरी बात 100 प्रतिशत हो मतदान।

सोचो समझो जानों सब बातों को नोट करो, कौन है सच्चा कौन है अच्छा, फिर जाकर वोट करें।

न समझो, खुद को कमजोर,
मतदान में लगाओ पूरा जोर।
लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है,
मतदान करना हम सब का फर्ज है।
आपका वोट है अनमोल,
भूल न जाना इसका मोल

वंदना गजभिए
एम.काम. (प्रथम सेमेस्टर)

नारी तू नारायणी



फिर वही झूठे लोग हैं, वहीं आदर्श कोरे हैं
जिन्होंने कसे थे तंज उन्होंने हाथ जोड़े हैं ।

वो युग त्रेता का था जब रावण माँ सीता को हर लाया
द्वापर की कहूँ क्या मैं दुर्योधन भी न शर्माया

ज्ञानियों, बुद्धिमानों ने मुख सभी ने मोड़े हैं,
तब कृष्ण ने आखिर फटे वो चीर जोड़े हैं ।

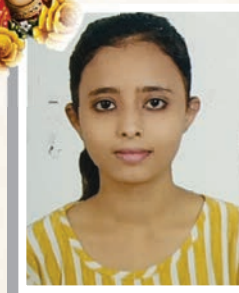
कलिकाल का ये अंधेरा देखो बहुत घनघोर है,
पर धन्य स्त्री है तेरा ही चर्चा चारों ओर है,

जो ऊँगलियाँ तुम पर उठी सभी वो हाथ जोड़े हैं,
जिन्होंने कल कसे थे तंज उन्होंने हाथ जोड़े हैं ।

पूनम धनकर
बी.एस.सी. (तृतीय वर्ष)



कृष्ण प्रेम



माधवी थी वो पूर्वजनम में, फिर मीरा वो कहलायी थी ।
श्याम संग फिर प्रीत जोड़ने, पृथ्वी पर वो आई थी ।

मानती थी वो पति श्याम को, गिरधरनागर कहती थी ।
श्यामधुन में मगन वो ऐसे, बस श्याम नाम रटती थी ।

लाख पीड़ा सहकर भी वो, मुख पे मुस्कान रखती थी ।
थी श्यामचरण की दासी ऐसी, उनमें खुश वो इस दुनिया की ॥

गीत में श्यामपिया के, डूब वो जाया करती थी ।
गलियों में वो इस दुनिया की, हरिगुण गाया करती थी ॥

मीरा के वो गीत सारे, सबको नाच नचाते थे ।
श्याम से दिल जोड़ने वाले, प्रेम के वो धागे थे ॥

श्याम के लिए रोती थी वो, श्याम के लिए हंसती थी ।
श्याम दरस को प्यासी मीरा, इंतजार उनका करती थी ।
क्यों थी पीड़ा क्यों थे दुख, व्यर्थ सारे सवाल थे ।
प्रेम मीरा का पाकर तो, कृष्ण भी खुशहाल थे ।

परीक्षा ली थी मीरा की भी, ताकी सबको दिख जाए ।
पाना श्याम को आसान नहीं, बात ये सबको समझ आए ।

श्यामपिया पहचान के उसे, अपने पास फिर ले आए ।
सर्वजगत में वो मीरा के, गिरधरनागर कहलाए ।

सौम्या मिश्रा
बी.काम. (द्वितीय वर्ष)



दीपक की अभिलाषा



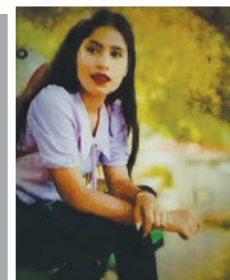
न प्रेमियों के घर में,
न देवताओं के द्वार में।
न नेताओं के हाथ से,
न पाखंडियों के बात से।
शहीद के मुठ में जलना है,
दीपक हूँ मैं, मुझे जलना है ॥

आगे बढ़ाना है, मुझे दोस्तों को,
पथ दिखाना है मुझे वीरों की,
लड़ना सिखाऊंगा अंधकार से मैं,
खुद जलकर प्रकाश दूंगा तुम्हें मैं।
वीरांगनाओं के हाथों से जलना है,
दीपक हूँ मैं मुझे जलना है ॥

छोटी सी लौ से ज्वाला बन जाएंगे,
एकसाथ रहकर दुश्मनों से टकराएंगे।
अन्धकार को चीरकर रोशनी लाने की आशा है
यही एक छोटी सी दीपक की अभिलाषा है।
युवाओं के हाथों से मुझे जलना है,
दीपक हूँ मैं मुझे जलना है ॥

नाम प्रगती शर्मा
बी.काम. (द्वितीय वर्ष)

बेखौफ शैतान ...?



इन नाजुक सी कलियों को किसने
तोड़ गिराया है,
महक दबी नीचे पैरों के, दफन उन्हे
कर डाला है !
बलिदानों की धरती पर ये कैसा राक्षस
आया है,
एक निर्भया चार निर्भया कितनों को
तड़पाया है।

मंजिल आकाशी छुने की सिमित करके छोड़ा है,
इन भुखे शैतानों ने, जख्मों को जिस्म पे छोड़ा है!
नश्ल नहीं इनकी कोई, बस रंगों में इनकी पानी है,
बहुत हो गई सुनवाई अब फाँसी की बारी है।
हाथ कांपते फाँसी से तो कर दो मुद्दा सामाजिक,
सौंप दो भुखी जनता को फिर बालिग हो या नाबालिग
न कोई निर्भया तड़पेगी जान से हाथ गवाएँगी,
चौराहों पर लाश टँगेंगी तो पुश्ते भी डर जायेगी !

येशा साहू
बी.काम. (द्वितीय वर्ष)



कहाँ है मंजिल खबर नहीं



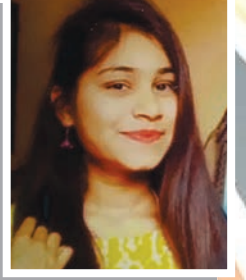
बुझ गए जब से दिये मेरी आँखों के
तब से अंधेरे रास मुझे आने लगें ।
दौड़ती थी जब कभी जिन राहों पर
पग पग ठोकरे खाते फिरे उन राहों पर
जिंदगी ने सिखा दिये कुछ तो सबक
हर कदम गिरकर अब सम्भलने लगे ।
दूर पास की जैसे कोई बात नहीं

ना कोई उम्मीद ना कोई चाह नहीं
चारों दिशाओं में गुंजती कौन है तू कौन है तू
वो सदाये छुकर कानों को गुजरने लगे ।
थी जब आँखे फर्क लोंगो मे दिखता रहा
अब ये एहसास मुझे याद दिलाता रहा
आज जो हैं कल वो शायद हो न हो
सोचकर गम बनकर खुशी बहने लगे ।
चल पड़े जिस राह वो कुछ कहना चाहे
ये जमी वो आसमान कुछ कहना चाहे
खाक है सब खाक मे मिल जायेंगे
अपना पराया कोई नही समझने लगे ।
आदत सी हो गयी है तन्हाइयों मे जीने की
चल रहे है कहा जा रहे कोई डगर नहीं
थक चुके है पाँव आसान ये सफर नहीं
ढूँढ़ती है निगाहें कहाँ है मंजिल खबर नहीं ।

शशी वर्मा

बी.एस.सी. (तृतीय वर्ष)

कुछ करना हैं, तो डटकर चल ।
थोड़ा दुनियाँ से हटकर चल ।
लीक पर तो सभी चल लेते हैं । कभी
इतिहास को पलटकर चल ।।



बिना काम के मुकाम कैसा ? बिना
मेहनत के, दाम कैसा?

जब तक ना हाँसिल हो मंजिल, तो राह में आराम कैसा?
अर्जुन सा, निशाना रख । मन में, ना कोई बहाना रख ।
लक्ष्य सामने हैं बस उसी पे, अपना ठिकाना रख ।।

सोच मत, साकार कर, अपने कर्मों से प्यार कर ।

मिलेगा तेरी मेहनत का फल किसी और का ना इंतजार कर ।।

जो चले थे अकेले उनके पीछे आज मेले है... जो करते रहे
इंतजार
उनकी जिंदगी में आज भी झमेले हैं ।।

महक वर्मा

बी.एस.सी. (द्वितीय वर्ष)



रायपुर



रायपुर एक ऐसा शहर है जो धान का कटोरा कहे जाने वाले राज्य छत्तीसगढ़ की राजधानी है। आज हम रायपुर एक विकसित शहर के बारे में जानने वाले हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी हमारी शान है। हमारा रायपुर शहर महान है।

रायपुर का इतिहास 9वीं शताब्दी से है। कथाओं के अनुसार राजा रामचन्द्र जी के पुत्र ब्रम्हदेव राय ने इस शहर की स्थापना की थी। तब इसका नाम उन्होंने खल्लवाटिका (खल्लारी) रखा था बाद में यह राय नगर और फिर रायपुर नाम से सुप्रसिद्ध हुआ। यह शहर लगभग 226 वर्ग किलो मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। यह छत्तीसगढ़ रायपुर सम्भाग का मध्य हिस्सा है। यह जिला 'आक्षांश 21, 23 से देशांतर 81.65' तक फैला हुआ है। यहाँ मेट्रो क्षेत्र 375 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला है। यह शहर व्यापार व वाणिज्य प्रमुख केन्द्र है। छत्तीसगढ़ की हलचल भरी राजधानी रायपुर अपने जीवंत इस्पात संयंत्रों में 200 से अधिक इस्पात मिलों व कई कोयल व एल्युमिनियम उद्योगों के लिए जाना जाता है।

इस शहर में ज्यादातर वैश्य, बनियार व आदिवासी निवास करते हैं। रायपुर शहर की साक्षरता 87: प्रतिशत है। यहाँ लगभग 65: प्रतिशत लोग शहर व 35: प्रतिशत लोग गाँव में रहना पसंद करते हैं। यहाँ व्यापार में मोमबत्ती स्टैंड, खिलौने इस्पात के लिए स्टील, मटेरियल लमन दिया, एल्युमिनियम उद्योग, सूती कपड़ा विनिर्माण का केन्द्र है व किनारी, जरी, सलमा के उत्कृष्ट काम से सजाये गए परिधान भी शामिल हैं। रायपुर में लकड़ी से बने परिधान तेराकोटा, पट्टा, फूली, खूँटी, कर्धाणी, बाधा कुलकी जैसे उत्कृष्ट ज्वेलरी का जाता है। रायपुर शहर में ख्याति के रूप में बहुत सी जगह सम्मिलित हैं जिसमें मुख्य खेल क्षेत्र में क्रिकेट स्टेडियम शहीद वीरनारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम है। यहाँ ऐतिहासिक संग्रहालय गुरुघासी दास संग्रहालय स्थित है। यहाँ स्वामी विवेकानंद सरोवर (बुढ़ा तालाब) इसे महान स्वामी विवेकानंद जी के नाम पर रखा है यह सरोवर व इसके आसपास नजारे 37 फीट ऊँचा स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति स्थायित्व है। यहाँ पर कैवल्य धाम जैन मंदिर जो यहाँ मुख्य तीर्थ स्थल है। मंदिर परिसर कुल 26 मंदिर स्थित है। यहां पर सुप्रसिद्ध रायपुर हवाई उड़ाने में व्यस्ततम, हवाई यात्रा स्थल स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है जो Indigo के तहत है यहां पर तीर्थ स्थल में श्री महामाया माता मंदिर व श्री दूधाधारी मठ में राजा रघुराम भोसले ने महंत बालभद्र दासजी लिए मठ का निर्माण कराया था यह मुख्य रूप से श्री रामजानकी व बालाजी की पूजा की जाती है। यहां खारून- नदी के तट पर सुविख्यात महादेव घाट स्थित है जो श्री हरकेश्वर महादेव के होने का प्रमाण है यहाँ लक्ष्मण झूला स्थापित है। यहां पर हाजरा झरना, डोंगरगढ़ खुबसुरती की एक सुप्रसिद्ध स्थल है। डोंगरगढ़ पर्वत पर स्थित है। जो 216 मीटर ऊँची माताश बम्लेश्वरी का मंदिर है। रायपुर जो कि श्री राम भगवान की माता कौशल्या की जन्मभूमि अर्थात् श्री रामचंद्र का ननिहाल के रूप में विख्यात है यहाँ श्री राम अपने रामवनगमन पथ यात्रा के दौरान कुछ समय तक रुके हुए थे यहाँ चन्द्रखुरी श्री राम व माता कौशल्या की प्राचीन मूर्ति स्थित है। रायपुर शहर की एक खासियत है यहाँ भाषा व संस्कृति। यहां पर वास्तु कला, मुर्तिकला खुरससूरत, नक्काशियाँ बढी प्रसिद्ध है। यहां की संगीत शैलिया बढी विख्यात है। यहां पंडवानी जी महाभारत गायन महान पंडवानी गायिका तीजन बाई व युवा रितु वर्मा जी द्वारा प्रकाशित किया गया है। यहाँ संगीत कला में फाल्गुन गीत, सुवा गीत, देवारी गीत प्रसिद्ध है। यहाँ की निशानी जो यहाँ की भाषा छत्तीसगढ़ी में चिन्हा कहाँ जाता है। यहाँ के चिन्हारी के रूप में महिला सुता, कर्धाणी, बाधा, पट्टा, बाली, आरती पैरी आदि पहनती है व सुति सारियाँ धारण करती है। यहाँ पुरुष धोती व फलकी, पदकी पहनते हैं। यहाँ की मुख्य भाषा छत्तीसगढ़ी, हिन्दी है। यहाँ की खुबसुरती बेमिशाल है।

“न पुछो हमसे हमारा क्या किस्सा है। हमारी पहचान तो यह है कि हम रायपुर शहर का हिस्सा हैं।”

हिमांशी साहू
B-cam II year

खुद में खुद ही काफी हूँ

कृष्ण नीति



क्यूँ खुद पे ही हर बार सवाल उठाती हूँ
हूँ ये जानती मैं की, खुद में खुद ही काफी हूँ।

संभाल लेती हूँ अक्सर खुद को फिर भी,

ना संभाल सकी तो कभी ?

इस बात से डर सी जाती है लेकिन,
हूँ ये जानती मैं की खुद में खुद ही काफी हूँ।
ना हैं शिकायत किसी से, ना ही है उम्मीद
अपना लेती हूँ वो भी जो ना आए दिल को रास ।
सहमना, डरना, ना ही है यें कमजोरी मेरी,
क्यूँ की हूँ ये जानती मैं की, खुद में खुद ही काफी हूँ।
हौसला है देता ये मन मेरा
समझाता मुझको रहता है,
है यकीन मुझको तुझपे संभलना तुझे आता है,
अरे । गिर जाओगी तो क्या हुआ ! ?
उठकर चलना तुमको आता है ।
तु रस बात से वाकिफ तो है.
तु खुद में खुद ही काफी है ।

नेहा गायकवाड़
बी.एस.सी. (तृतीय वर्ष)

यदि कोई आपसे पूछे आप कौन हो, तो आपका उत्तर क्या होगा ?



उत्तर है — एक रचना, मानव परमात्मा की विशेष कृति है। जिस प्रकार एक कलाकार कोई कलाकृति बनाता है, उसी प्रकार मनुष्य को परमात्मा ने अपने ही रूप में बनाया है ईश्वर हमें आपस में प्रेम बनाये रखने का उपदेश देते हैं। किन्तु, मनुष्य के सारे सम्बन्धों का आधार है अपेक्षा, पूर्ति कैसा हो? जो मेरा जीवन सुख—सुविधा से भर दें, पत्नी कैसी हो? जो सदैव मेरा कहा माने। संतान कैसी हो? जो मेरी सेवा करे, मेरा आदेश माने। मनुष्य प्रेम भी उसे कर पाता है जो उसकी अपेक्षा पूर्ण करता है। लेकिन, अपेक्षा की तो नियति है भंग होना। कैसे? क्यों कि अपेक्षा मनुष्य के मस्तिष्क में जन्म लेती है। कोई अन्य व्यक्ति उसकी अपेक्षाओं के बारे में जान ही नहीं पाता।

पूर्ण आभावों के आधार पर हम भविष्य के दुःख दूर करने के लिए योजना बनाते हैं। किन्तु, सत्य तो यह है कि संकट और उसका निवारण साथ जन्म से है, व्यक्ति के लिए भी, सृष्टि के लिए भी। आप अपने जीवन के भूतकाल से जान पायेंगे की जब जब संकट आता है तब तब उसके निवारण करने वाली शक्ति भी जन्म लेती हैं। यह तो जगत का चालन। संकट से ही निकलकर व्यक्ति अधिक चमकता है, बलवान होता है।

जो हुआ अच्छा हुआ, जो हो रहा है अच्छा हो रहा है, जो होगा अच्छा होगा। परिवर्तन संसार का नियम है। जिसे तुम मृत्यु समझते हो, वही तो जीवन है। मेरा—तेरा, छोटा—बड़ा, अपना—पराया मन से मिटा दो, सब के प्रति मन में प्रेम का दीपक जलाकर आप यह महसूस करेंगे कि सब तुम्हारा है, तुम सबके हो। अवश्य विचार कीजिएगा।

रश्मी पटेल
बी.एस.सी. (तृतीय वर्ष)



Life जिंदगी



जिंदगी सोचने में लगता है ना कि बहुत ही छोटी है ऐसा नहीं है हमारी जिंदगी बहुत बड़ी है, अगर हम अपने 1-1 समय को अच्छी-अच्छी बातों और कुछ नया करने में लगा देंगे।

तो

मुस्कराइए अगर आप कहीं से हार गये हैं, किसी को उससे ज्यादा जीत की जरूरत हो शायद ! मुस्कराओ अगर कुछ खो गया है, जिसके नसीब का था उसे मिल गया हो शायद

मुस्कराओ अगर बार – बार सोचकर ऐसा लगता है कि इससे अच्छा ये हो जाता या इससे अच्छा वो हो जाता, तब ये सोचकर मुस्कराओं कि इससे बुरा हो जाता तो क्या होता।

मुस्कराओ अगर रहने के लिए है घर आपका, खाने के लिए हो खाना, अगर ज्यादा भी हो जाये तो बांटकर खा लीजिए थोड़ा!

मुस्कराओ अगर कोई कहे यह क्या है जिंदगी? उसे बताओ! की ऐसी है जिंदगी।

मुस्कराओ अगर दिल में है खुशी किसी बात की, दूसरों को बांटकर मुस्कराओ और इस और बढ़ा दो।

यही तो हा जिंदगी जिससे किसी के लिए न तो हो [Compare And Negativity]

दोस्तो, हमेशा सब को सारी जीजे तो नहीं मिल पाती है, तो.....

“अगर सब कुछ मिल जायेगा जिंदगी में तो तमन्ना किसी करोगे, अगर सब कुछ मिल जाएगा तो तमन्ना किसकी करोगें। कुछ अधूरी ख्वाहिशें ही तो जिंदगी जीने की खुशी देती है”

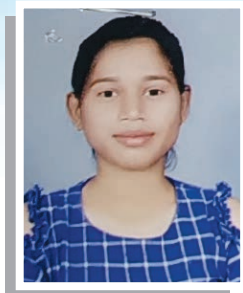
तो दोस्तों मुस्कराइए, और हमेशा खुशी बांटिए।

Don't Worry- God is always on time.

यामिनी निर्मलकर

बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

प्रेरक प्रसंग



कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज के सन् 1906 की घटनाक्रम को मैं आपसे साझा करना चाहती हूँ जो मैंने बचपन में किसी किताब में पढ़ी थी। कॉलेज में एक बार स्नातक का परीक्षा परिणाम सुनाया जा रहा था और जो विद्यार्थी पास हो गये थे वे ही एम.ए. की परीक्षा में बैठ सकते थे। कॉलेज के प्राचार्य का स्वभाव बहुत ही सख्त था और वे पूर्व परीक्षा का परिणाम सुना रहे थे एक बहुत ही साधारण लड़का भी उन्हीं छात्रों के बीच बैठा हुआ था उसका नाम पास होने वाले छात्रों में नहीं था। उसने खड़े होकर प्राचार्य से गंभीरता से पूछा सर आपने मेरा नाम नहीं सुनाया। प्राचार्य ने बताया कि सूची में तुम्हारा नाम नहीं है इसका सीधा सा मतलब है कि तुम पास नहीं हुए हो। इसलिए तुम्हारा नाम मैं कैसे बताऊँ?

विद्यार्थी ने कहा ऐसा कभी नहीं हो सकता कि मैं पास नहीं होऊँ, यह सुनकर प्राचार्य नाराज हो गए और अनुशासन हीनता पर पाँच रुपये जुर्माना लगा दिया। विद्यार्थी ने गंभीरता से यही बात बोली लेकिन प्राचार्य भी अपनी बात पर अड़ींग थे और जैसे उस विद्यार्थी की जिद बढ़ती गयी वैसी-वैसी जुर्माना भी बढ़ाया गया। बढ़ते-बढ़ते प्राचार्य ने उस पर पचास रुपये का जुर्माना कर दिया।

जब दोनों में स्वाभिमान की यह जिद चल ही रही थी कि कॉलेज का एक बाबू दौड़ते हुए आया और प्राचार्य से कहा कि यह विद्यार्थी तो सर्वप्रथम आया है, और गलती से इसका नाम सूची में लिखने से रह गया था। प्राचार्य के मुख पर अब ग्लानि और लज्जा के भाव थे लेकिन विद्यार्थी का सिर स्वाभिमान से ऊपर हो गया था।

यह विद्यार्थी दूसरा कोई नहीं था जबकि ये होनहार छात्र हमारे देश के प्रथम राष्ट्रपति (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे।)

जस्मी साहू

बी.एस.सी. तृतीय वर्ष (गणित)

मैं बेटी हूँ मुझे आने दो नहीं तितली उड़ चली ।।।।



मैं बेटी हूँ मुझे आने दो, मुझे आने दो
मुझे भी तितली की तरह गगन में उड़ना है,
आने से पतझड़ भी बसन्त बन जाएं,
और खाली मकान भी घर बन जाएं।

मैं वहीं साहसी बेटी हूँ
जो भेद गई अन्तरिक्ष को भी।

मैं जग की जननी हूँ
मैं बेटी हूँ मुझे आने दो, मुझे आने दो

मुझे भी अठखेलियां करने दो
मुझे भी गीत मल्हार गाने दो
रौशन कर दूंगी घर को ऐसे
जैसे कोई चाँद सितारा हो
मैं वही कर्मवती पद्मिनी, साहसी झाँसी रानी हूँ
जो न झुकेगी, न टूटेगी हर एक गम सह लेगी।

मैं तेरी आंखों का तारा बनूंगी,
नाम तेरा रोशन करूंगी इस दुनिया में,
जब भी आएगी कोई बाधा या विपदा
मैं तेरे साथ खड़ी होंगी, मैं बेटी हूँ मुझे आने दो

मैं भी कल-कल करती नदियों की तरह
इस दुनियां रूपी समन्दर जीना चाहती हूँ
मैं आऊँगी जरूर, आऊँगी, फिर कुछ ऐसा कर जाऊँगी
कि इस दुनियाँ को अमर कर जाऊँगी।
मैं कलियों में फूलों की तरह
तेरे घर को खुशियों से भर दूंगी।
मैं वो वर्षा हूँ, जो न आई तो
ये खुशियों से भरी धरा बन्जर हो जाएगी।

मैं सूरज की तरह चमकुंगी,
फिर एक नया संदेश लाऊंगी
मैं बेटी हूँ मुझे आने दो, मुझे आने दो

पायल रजक
बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष

नवीन रंगीन पंखों को
रवि किरणों में चमका चली
देखो तो नन्ही तितली उड़ चली।

गगन से उमंग ले,
सितारों को संग ले,
इंद्रधनुष के रंग ले
अपनी धुन में मस्त चली
नन्ही तितली उड़ चली।

काली मेघा के ताव में,
नीलगिरी की छाव में,
बूंदों के बरसाव में
पंख झटकती वो चली
नन्ही तितली उड़ चली।

संक्रांति के पतंगों से
होली के रंगों से,
दिवाली के तरंगों से,
खुशियां पिरोती वो चली
नन्ही तितली उड़ चली।

दुनिया रोक लाख उसे
फर्क पड़े खाक उसे
अपनी धुन का राग उसे
अपनी मंजिल पर वो चली
नन्ही तितली उड़ चली।

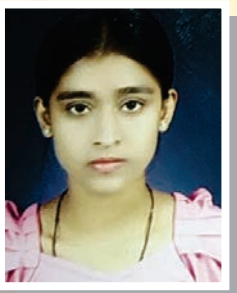
मेरे पंख न काट सकोगे,
साहस को न बाट सकोगे
उड़ जाऊंगी न बांध सकोगे,
सब से वो कह चली
नन्ही तितली उड़ चली।

शिक्षा उसका है अधिकार
सौ चुनौती करके पार,
चाहे दुनिया रोके हजार,
अपने सपनों को पूर्ण करने चली,
उद्यम के पंखों से अपनी माजिल पर
नन्ही तितली उड़ चली



नेहा यादव
बी.काम. (प्रथम वर्ष)

धरती पर मंडरा रहा है बड़ा खतरा



जब सूरज पर गैसों की टकराहट होती है तो उनके टकराहट से विस्फोट होते हैं। तो उस उनसे सोलर फ्लेयर्स या सौर ज्वालाएं निकलती है। और ये पृथ्वी की ओर कूच करती है। इनकी रफ्तार 30 लाख मील प्रति घंटे होती है। जैसे की नाम से ही स्पष्ट है सौर तूफान का सीधा जुड़ाव सौर मंडल से है और उसमें भी यह सूर्य से संबंधित है। असल

में यह सूरज पर उठने वाली विकराल ज्वालाओं का समूह है। जो वहां गैसों के प्रभाव से होने वाले विस्फोट से पैदा होती है। ये विस्फोट कई परमाणु बमों जितने शक्तिशाली हो सकते हैं। जब सूरज पर गैसों की टकराहट से विस्फोट होते हैं तो उनसे सोलर फ्लेयर्स या सौर ज्वालाएं निकलती है और ये पृथ्वी की ओर कूच करती है।

सौर ज्वालाओं से आवेशित कणों की विशाल धाराये जिन्हें कोरोनल मास इजेक्शन (CME) कहा जाता है। जब से पृथ्वी से टकराती है तो ये सूरज से 15 करोड़ किलोमीटर दूर स्थित धरती पर विद्युत आवेशित और चुंबकीय क्षेत्रों को एक धारा भेजती है। इनका असर उपग्रहों के जरिये होने वाली संचार तंत्र बिजली की ग्रीड और समुद्री व हवाई परिवहन तंत्रों पर पर पड़ता है। फरवरी 2011 में चीन में शक्तिशाली सौर फ्लेयर के कारण पूरे देश में रेडियो संचार बाधित हो गया था।

सौर तूफानों का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों के अनुसार हर 11 साल में तेज सौर तूफान आते हैं। इस दौरान रोज या हर सप्ताह सोलर फ्लेयर्स आ सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में भी एक भू-चुंबकीय तूफान पृथ्वी से टकराया था। इससे कनाडा के ऊपर चमकीला प्रकाश पुंज बन गया था। दुनिया के कई हिस्सों में ब्लैक आउट का खतरा है। अंतरिक्ष की मौसम महिला के नाम से मशहूर वैज्ञानिक डॉ. तमिता स्कोव ने एक ट्वीट कर सूर्य की ज्वालाओं की पृथ्वी से सीधी टक्कर की भविष्यवाणी की है। आर्यभट्ट शोध एवं प्रेक्षण विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे ने बताया सूर्य अपने 11 साल के सौर चक्र के सक्रिय चरण में ही इससे सोलर फ्लेयर्स जैसी घटनाओं में वृद्धि होने की उम्मीद है।

1989 में आए सौर तूफान की वजह से कनाडा के क्यूबेक से शहर में 12 घंटे तक बिजली गुल हो गई थी। लाखों लोगों को मुसीबतों का सामना करना पड़ा था। 1859 में आये चर्चित सबसे शक्तिशाली जिओमैग्नेटिक तूफान ने यूरोप और अमेरिका में टेलीग्राफ नेटवर्क को नष्ट कर दिया था। उधर पश्चिमी व उत्तरी अमेरिका में इतनी तेजी से तेज रोशनी हुई थी कि रात के समय लोग आसमान की रोशनी में अखबार पढ़ने में सक्षम हो गये थे।

सूर्य से जुड़े रहस्यों को सुलझाने के लिये इसरो ने अपने पहले सोलर मिशन आदित्य एल-1 को लॉन्च कर दिया आदित्य 11 पृथ्वी और सूर्य के बीच बने 11 पॉइंट पर स्थित कर दिया गया है। यह मिशन कई रहस्यों को सुलझाने की कोशिश करेगा, इसमें सबसे खास है अंतरिक्ष में आने वाले तूफान को समझना इसरो अपने मिशन से यह समझने की कोशिश करेगा कि आखिर सौर तूफान क्यों होते हैं। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि तूफान की अवस्था क्या है। व सूर्य के वायुमंडल, सौर चुंबकीय तूफानों और पृथ्वी के चारों ओर के पर्यावरण पर उनके प्रभावों पर मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा। सूर्य के बाह्य आवरण को कोरोना कहा जाता है। आदित्य 11,11 पाइंट से सूर्य के कोरोना में ही रही गतिविधियों पर निगरानी रखेगा। व संबंधित डेटा को पृथ्वी पर भेजेगा। ताकि भविष्य में सूर्य के इस आक्रामक सौर तूफान से बचा जा सके।

कृष्णा भौमिक

बी.काम. (प्रथम वर्ष)

“बचपन की शरारतें”



“कागज की कश्ती थी
पानी का किनारा था
खेलने की मस्ती थी ये दिल अवारा था
कहाँ आ गए इस समझदारी के दलदल में
वो नादान बचपन भी कितना प्यारा था” ।।

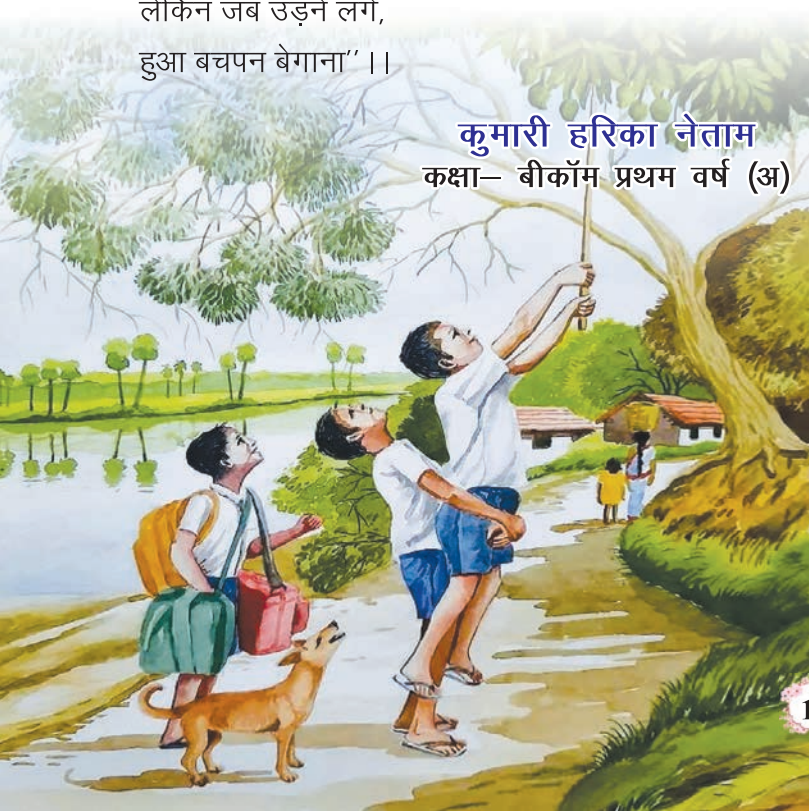
“रोने की वजह भी न थी,

न हंसने का बहाना था,
क्यों हो गए हम इतने बड़े,
इससे अच्छा तो वो,
बचपन का जमाना था” ।।

झूठ बोलते थे, फिर भी कितने
सच्चे थे हम,
ये उन दिनों की बात है
जब बच्चे थे हम

“वो रंग—बिरंगी पतंगे उड़ाना
पतंगों के पीछे मीलों भाग जाना
पतंगों सा उड़ने की चाहत थी,
लेकिन जब उड़ने लगे,
हुआ बचपन बेगाना” ।।

कुमारी हरिका नेताम
कक्षा— बीकॉम प्रथम वर्ष (अ)



मेरा गुरुकुल



छत्तीसगढ़ राज्य के मध्य
खिला हुआ एक फूल,
नाम है जिसका महिला महाविद्यालय
गुरुकुल ।

विद्यालय नहीं देवालय है,
जग से प्यारा मेरा महाविद्यालय है ।

यहाँ के शिक्षक बड़े ही न्यारे,
अपने विषय में बड़े ही गुण वाले ।

पिरोये मैने यहाँ अनेक सपने
मिले यहाँ शिक्षक सभी अपने ।

माता—पिता का प्यारा यहाँ,
महाविद्यालय नहीं, घर है यहा ।

परीक्षा में सब खरे उतरते,
अनुशासन से बस बंधे रहते ।

कही नहीं ऐसा प्यार,
तेरा मुझ पर ये आभार ।

छत्तीसगढ़ राज्य के मध्य खिला हुआ एक फूल,
नाम है जिसका महिला महाविद्यालय गुरुकुल ।

जितेश्वरी साहू
कक्षा —बी.कॉम द्वितीय वर्ष



छत्तीसगढ़ दर्शन



अपना प्रदेश देखो,
कितना विशेष देखों
आओं—आओं घूमों यहाँ,
खुशियो से झूमों यहाँ ।
रायपुर की क्या सानी? अपनी राजधानी
ऊँचे—ऊँचे है मकान यहाँ की निराली
शान

“कोरबा” की बिजली, देश भर को मिली,
देवभोग का है मान हीरे की जहाँ खदान ।
लोहे की ढलाई देखो, देखो जी “भिलाई” देखों
गूँजे जहाँ सुर ताल— “खैरागढ़” बेमिसाल ।
राजीव लोचनग्रन्थ जहाँ रम जाए मन जहाँ ।
तीर्थ में अग्रगण्य देखों “चम्पारण” ।
गूँजे जहाँ सत्यनाम “गिरौदपुरी” है धाम
कविरा की सूनों बानी दामाखेड़ा की जुबानी ।
महानदी धार देखो, “सिरपुर” “मल्हार” देखो,
डोंगरगढ़ बमलाई देखो, रतनपुर महामाई देखो
देवी बेमेतरा वाली देखो, भद्रकाली
मंदिर एकमेव देखो, देखो भोरमदेव देखो ।
देखो ऊँचा “मैनपाट” बड़े ही कठिन घाट
तिब्बती मकान देखो, कितनी है शान देखों ।
अपना प्रदेश है ये कितना विशेष है ये
सबका दुलारा है ये, सच बड़ा प्यारा है ये ।

करिश्मा भारती

बी.एस.सी. (द्वितीय वर्ष)



स्वतंत्रता का मौल



करोड़ों का लहू बहा है तब
स्वतंत्रता पाई है
इसका मूल चुकाना मुश्किल है
मातृभूमि की आन में
हजारों सैनिक शहीद हुए
उनका बलिदान की ऋण चुकाना
मुश्किल है
आजादी की लड़ाई में स्वतंत्रता सेनानी
फांसी के फंदे पर बेहिचक झूल गए
उनके बलिदान को हम कितनी जल्दी भुल गए
उस बलिदान का मुल्य चुकाना बाकी है
नहीं मांगता बहुत कुछ देश हमारा
बस अच्छे इंसान, अच्छे नागरिक बन जाए
अमुल्य है यह आजादी, अमुल्य है स्वतंत्रता
स्वतंत्र रहे हम, स्वतंत्र रहे विचार
स्वतंत्रता से व्यक्त करे अपनी भावनाएं
अपने अपने बल बूते पर देश के लिए कुछ कर जाए
भेदभाव छोड़कर देश की उन्नति में हाथ बढ़ाए
ना तेरा ना मेरा देश वासुदेव कुटुम्बकम्
की नींव रखकर भारत का परचम लहराए ।

कोमोलिका यादव

कक्षा —बी.कॉम द्वितीय



“आशाओं की उड़ान”

कविता



हर सुबह एक नई
उड़ान भरना चाहती हूँ,
मैं वो पंछी हूँ जो आशाओं की
उड़ान भरना चाहती हूँ।
लोग सुबह नया जीवन लेते हैं
मैं हर शाम सफलता में
संवरना चाहती हूँ,

जीवन मिलता है सबको एक दफे ही

मैं इसे हर पल में जीना चाहती हूँ।

मैं वो पंछी हूँ जो आशाओं की

उड़ान भरना चाहती हूँ,

कोई आया कोई गया, मैं जहाँ में

अमर होना चाहती हूँ।

सत कर्मों और विचारों से

नई दुनिया गढ़ना चाहती हूँ,

मैं वो पंछी हूँ जो आशाओं की

उड़ान भरना चाहती हूँ।

रश्मी देवांगन

पी.जी.डी.सी.ए. (प्रथम सेमेस्टर)

जिंदगी में आज कोई

समझने वाला नहीं

जिंदगी में आज कोई

समझने वाला नहीं

सब है यहाँ,

पर हो के भी नहीं

दिल चालता है लोग समझे मुझे पर

जिंदगी में आज कोई समझने वाला नहीं।

रोती हूँ आज खुद को अकेला पा के

मन उदास होता है,

कि काश कोई होता मुझे

समझने वाला पर

जिंदगी में आज कोई समझने वाला नहीं।

जिंदगी में बहुत परेशानियाँ हैं

पर उन परेशानियों की कोई

ठिक करने वाला नहीं

सब है यहाँ पर, हो के भी नहीं

जिंदगी में आज कोई समझने वाला नहीं।

इन उदास चेहरे को कोई

निहारने वाला नहीं,

उदासी के पिछे की चुप्पी को

कोई पहचानने वाला नहीं,

सब है यहाँ

पर हो के भी नहीं,

जिंदगी में आज कोई समझने वाला नहीं।



गीतांजली मिरी

बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष जीवविज्ञान)

अपनी तुलना दूसरों से न करे



एक बार की बात है, किसी जंगल में एक कौवा रहता था, वो बहुत ही खुश था क्योंकि उसकी ज्यादा इच्छाएं नहीं थी वह अपनी जिन्दगी से संतुष्ट था, लेकिन एक बार उसने जंगल में किसी हंस को देख लिया और उसे देखते ही सोचने लगा कि ये प्राणी कितना सुन्दर है, ऐसा प्राणी तो मैंने पहले कभी नहीं देखा! इतना साफ और सफेद। यह तो

इस जंगल में औरो से बहुत सफेद और सुन्दर है, इसलिए यह तो बहुत खुश रहता होगा। कौवा हंस के पास गया और पूछा, भाई तुम इतने सुंदर हो, इसलिए तुम बहुत खुश होगे।

इस पर हंस ने जवाब दिया हॉ मैं पहले बहुत खुश रहता था, जब तक मैंने तोते को नहीं देखा था। उसे देखने के बाद से लगता है कि तोता धरती का सबसे सुन्दर प्राणी है। हम दोनों के शरीर का तो एक ही रंग है लेकिन तोते के शरीर पर दो-दो रंग हैं, उसके गले में लाल रंग का घेरा और वो सूर्य हरे रंग का था, सच में वो बेहद खुबसूरत था।

अब कौवे ने सोचा कि हंस तो तोते को सबसे सुन्दर बात रहा है, तो फिर उसे देखना होगा।

कौआ तोते के पास गया और पूछा भाई तुम दो-दो रंग पाकर बड़े खुश होगे।

इस पर तोते ने कहा हॉ मैं तब तक खुश था जब तक मैंने मोर को नहीं देखा था। मेरे पास तो दो ही रंग हैं, लेकिन मोर के शरीर पर तो कई तरह के रंग हैं। अब कौवा ने सोचा सबसे ज्यादा खुश कौन है। यह तो मैं पता करके ही रहूंगा। इसलिए अब मोर से मिलना ही पड़ेगा। कौए ने मोर को जंगल में ढूँढा लेकिन उसे पूरे जंगल में एक भी मोर नहीं मिला और मोर को ढूँढते-ढूँढते वह चिड़ियाघर में पहुँचा, तो देखा मोर को देखने बहुत से लोग आए हुए हैं, और उसके आसपास अच्छी खासी भीड़ है।

जब लोगों के जाने के बाद कौवे ने मोर से पूछा, भाई तुम दुनिया के सबसे सुन्दर जीव हो और रंगबिरंगे हो, तुम्हारे साथ लोग फोटो खिंचवा रहे थे, तुम्हें तो बहुत अच्छा लगता होगा और तुम तो दुनिया के सबसे खुश जीव होगे।

इस पर मोर ने दुखी होते हुए कहा, भाई अगर सुन्दर हूँ तो भी क्या फर्क पड़ता है। मुझे लोग इस चिड़ियाघर में कैद करके रखते हैं लेकिन तुम्हें तो कोई चिड़ियाघर में कैद करके नहीं रखता और तुम जहाँ चाहो अपनी मर्जी से घूम-फिर सकते हो। इसलिए दुनिया के सबसे संतुष्ट और खुश जीव तो तुम्हें होना चाहिए, क्योंकि तुम आजाद रहते हो कौवा हैरान रह गया, क्योंकि उसके जीवन की अहमियत कोई दूसरा बता गया।

दामिनी देवांगन

बी.एस.सी. (तृतीय वर्ष)



सहनशीलता

भारतीय संस्कारों में सहनशीलता को बहुत महत्व दिया गया है। वास्तव में सहनशीलता मनुष्य का आभूषण है। सहनशील व्यक्ति को हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। इससे उलट अगर किसी व्यक्ति में सहनशीलता का अभाव है तो उसे कई बार अप्रिय स्थितियों से भी गुजरना पड़ जाता है। सहनशीलता के अभाव में व्यक्ति में क्रोध पैदा होता है और क्रोध को मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु माना गया है। क्रोधी व्यक्ति अक्सर अपना ही नुकसान करा बैठता है।

यदि माता-पिता अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देते हैं तो मानवीय गुण अनिवार्य रूप से बच्चों के मन में स्थान बनाते हैं। बड़ों का सम्मान सभी के लिए दया भाव, प्रेम भाव, अहिंसा की भावना जैसे गुण बच्चों को परिवार से ही प्राप्त होते हैं। सहनशीलता एक बहुत बड़ा गुण है। जो मानव को अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ सिद्ध करता है। मानव को जीवन में विभिन्न परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। किसी का जीवन सदैव एक सा नहीं रहता। सुख-दुख सभी के जीवन में रात-दिन की भाँति आते-जाते हैं। किन्तु जो व्यक्ति ईश्वर को सदैव अपने मन से अनुभव करता रहता है। वो मनुष्य कष्ट सहकर पुनः जीवन संग्राम में कर्मठता से उतर पड़ता है। सहनशीलता का यही गुण बहुत कुछ संस्कारों पर ही निर्भर करता है। आजकल नई पीढ़ी में सहनशीलता की मात्रा कम होती जा रही है। इसका प्रमुख कारण भौतिकतावाद, एकांकी परिवार, पश्चात्य संस्कृति का प्रभाव है। माता-पिता विभिन्न समस्याओं में उलझे रहने के कारण बच्चों को अधिक समय नहीं दे पाते। अनेक परिवारों में बुजुर्गों का सानिध्य बच्चों को नहीं मिल पाता है। टीवी, मोबाइल, इंटरनेट में खोये रहने वाले बच्चों में सदगुण व दुर्गुण अधिक पैदा हो रहे हैं। संचार जगत के विभिन्न माध्यम बच्चों को पाश्चात्य जगत के संपर्क व प्रभाव में लाकर भारतीय संस्कृति से दूर ले जाते हैं।

तनुजा साहू

बी.एस.सी. (तृतीय वर्ष)

आज के शरारती शिष्य



शिष्य है ऐसा, जुबान जिसकी टीचर से भी तेज।
खुब पकाये सिर, तोड़े स्टूल, कुर्सी मेज।

मेज पर लिख देते, किसी का भी नाम।
जब आये पीटने की बारी, दोस्त को करे बदनाम।

बदनामी से जुड़ा, एक और जबरदस्त खेल।
खुद पास न हो, तो टीचर को बताए फेल।

फेल हो जाते समझने में, टीचर देख के इनके फैशन।
कॉलेज पढ़ने आये जैसे, आये हिल स्टेशन।

आये पहन फटी पैंट, शर्ट के खुले बटन।
फिर बोले देखो, जम रहे टन टना टन टन।

टन टना टन रखते मिज़ाज, देते हाई फाई जवाब।
कुछ नहीं बिगाड़ सकती, अब इनका किताब।

किताब का ज्ञान अब, सोशल मीडिया के सामने फिका।
व्हाट्सप, फेसबुक से सीखा, फ्यूचर ब्राइट का तरीका।

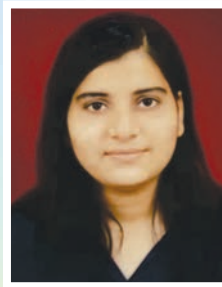
इनके फ्यूचर के चक्कर में, पेरेंट्स दिन-रात दौड़े।
थोड़ा बहुत पढ़ लो जी, कहकर टीचर हाथ जोड़े।

टीचर हाथ जोड़े क्योंकि, न दे सकते पनिशमेंट।
अब टीचर-स्टूडेंट का रिश्ता, बन गया है एग्रीमेंट।

बन गया एग्रीमेंट इसलिए, स्टूडेंट की यह हालत।
सिर पर उठा रखा, आसमान और सरकार करे
वकालत।

सुविज्ञा सिंह
बी.एस.सी. (तृतीय वर्ष)

आँखे



आँखे, अक्सर धोखा दे जाती है
कभी मेरे झूठ, कभी मेरी बात से
मुकर के, मुझे एक मौका दे जाती है
कि मैं अडिग रहूँ अपने सच पर
वो साथ देगी, भले फिर शर्म लिये,
झुक के; नम होकर भी दृढ़ता लिये।
अदा एक भाव अनोखा दे जाती है।

कुछ आँखे एसी होती है
जिनमें विश्वास झलकता है।
मेरे हर सही गलत को मानो
कोई है, जो परखता है
इस अनजान, अजब दुनिया में
रोज नया कोई मिल जाता है
पर उन आँखों को देख
मेरा हर दोष बिलख जाता है

क्रोध, घृणा और द्वेष से लेकर
प्यार, चिंता, पागलपन तक
सबकुछ कह जाती है ये दोनों
फिर भी ख्वाब संजो के रह जाती है.
कभी ये मुझमें छल करके
अंतर का झरोखा दे जाती है
ये आँखे, अक्सर ही धोखा दे जाती है।

समीक्षा सिंह
बी.एस.सी. (तृतीय वर्ष)

मन की शान्ति

Peace of Mind in Hindi



मन कि शांति किसी भी मनुष्य के लिए एक अनमोल धन है, इसके बिना जीवन में सब कुछ बेकार है। अगर आपके मन में शांति नहीं होगी तो आप इस दुनिया कि किसी भी चीज से प्रसन्न और आनंदित नहीं हो सकते भले ही आपके पास कितना भी धन क्यों ना हों वहीं अगर आपके पास मन कि शांति है तो आप झोपड़ी में भी प्रसन्नता के साथ

रह सकते हैं मन कि शांति एक ऐसा अनमोल धन है जिसकी प्राप्ति के लिए मनुष्य को सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए और हमेशा इस मूल्यवान धन कि रक्षा करना चाहिए क्योंकि एक बार आपका रुपया—पैसा चला गया तो उतना नुकसान नहीं होगा जितना मन कि शांति के चले जाने से होगा। यह एक ऐसा खजाना है जो आपको बड़ा भाग्यवान और ताकतवर बना देता है।

मन कि शांति को खरीदा नहीं जा सकता:

मन कि शांति अनमोल है:—

सच है कि पैसो से बहुत कुछ खरीदा जा सकता है लेकिन संतोष और मन कि शांति को पैसों से नहीं खरीद सकते यह एक ऐसी चीज है जो हमें अंदर विकसित और धारण करनी होती है। आज दुनिया में ऐसे लोगों कि कमी नहीं जिनके पास अथाह सम्पत्ति है पर फिर भी वे खुद को कंगाल समझते हैं क्योंकि उनके पास मन कि शांति नहीं है। सफलता प्राप्त करने के लिए मन कि शांति होना बहुत जरूरी है एक अशांत और चिंतित मन से आप किसी बढ़िया परिणाम कि उम्मीद नहीं कर सकते अशांत मन किसी भी काम पर पूरा फोकस ठीक से नहीं कर पाता जिससे कोई भी कार्य अपने सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाता एक **Stressful** और **Happy** दोनों तरह के **mind** की स्थिति में किए गए कामों का अवलोकन करके देखिए, जो काम एक **Happy mood** से पूरी शांति के साथ किया जाता है उसकी **quality** ही कुछ अलग होती है।

मन कि शांति क्यों जरूरी है:—

जिंदगी कि महत्वपूर्ण दौलतों में से एक है मन कि शांति इस दौलत के बिना आप अमीर नहीं कहला सकते क्योंकि ऐसी अमीरी किस काम कि जहाँ उसे पाकर भी खुशी नहीं हो, शांति एक ऐसी चीज है जो किसी भी उपलब्धि पर मन को सुकून देती है। अशांत मन हमेशा कुछ न कुछ अड़ेड़बुन में ही लगा रहता है और जिंदगी के सुख—एश्वर्य

को भोगने के आत्मिक सुख से वंचित रहता है, सुख को महसूस करने के लिए मन में शांति भी तो जरूरी है। अगर आप सच्चे दौलतमंद इंसान बनना चाहते हैं तो मन कि शांति बनाये रखने के बारे में भी सोचिये इस बात का प्रयास कीजिये कि आप कैसे खुद को अक्सर **Positive** रख सकते हैं।

कड़वाहट को भुलाइये, माफ करिए और मधुरता को अपनाइए।

बहुत से लोगों कि आदत होती है कि वो पुरानी बातों को सालों साल तक याद रखते हैं और उन पर सोचते रहते हैं किसी ने कुछ कड़वी बात कह दी तो उसे लम्बे समय तक दिमाग में रखना और उस पर सोचते ही रहना मन कि शांति को बिगाड़ने के लिए पर्याप्त है इसलिए कड़वी बातों को अधिक समय तक मन में न रखें, इसके बजाय आप कुछ अच्छी और मधुर स्मृतियों के बारे में सोच सकते हैं जो आप के मन को अच्छी लगे।

जीवन में शांति से जीने के लिए दो
ही तरीकें है माफ कर दो उन्हें जिन्हें
तुम भूल नहीं सकते भूल जाओ
उनको जिन्हें तुम माफ नहीं कर सकते।

और यहाँ माफ करने का अर्थ सिर्फ दूसरों को नहीं खुद की गलतियों को भी माफ करना है। माफ करने का मतलब किसी कैदी को आजाद करना है और ये जानना है कि आप ही वो कैदी थे। माफ करना जीवन कि एक बड़ी जीत है यह एक बहुत बड़ी क्वालिटी है, अगर आप माफ करना नहीं जानते इसका मतलब आप खुद को शांत रखने कि कला में अपिरपक्व है, माफ करना कड़वी बातों को भूलना और **negativity** को खुद पर हावी नहीं होने देना मन कि शांति को बनाये रखने के लिए बेहद आवश्यक है।

अपनी शांति खुद खोजिये:—

ईश्वर ने हम सबको **unique** बनाया है इसीलिए शांति प्राप्त करने के हमारे तरीके भी एक जैसे हो ये जरूरी नहीं जरूरी ये है कि हमें वो तरीका पता हो जो हमें सूट करता है।

अगर आपको **Meditation** करके मन कि शांति मिलती है तो वो आपके लिए सही तरीका है लेकिन अगर किसी का इसमें मन नहीं लगता और गाने सुनकर शांति

मन की

अनुभव करता है तो उसके लिए ये सही तरीका है इसी तरह किसी को सोशल वर्क करके तो किसी को Sports में involve होकर तो किसी कि बच्चों के साथ समय बिता कर Peace of mind मिल सकता है, तरीका हो भी हो मन कि शांति जरूर प्राप्त करनी चाहिए।

मित्रों, मन कि शांति एक बड़ा लक्ष्य है, चलिए हम सब मिलकर अपने-अपने जीवन में इस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं और इस जीवन को सार्थक बनाते हैं।

मोनिका धीवर

कक्षा- बी.कॉम. (अ)

गणित के रोचक तथ्य

1. शून्य '0' ही एक मात्र ऐसी संख्या है जिसे हम रोमन लिपि में नहीं लिख सकते, यानी रोम के लोग '0' का इस्तेमाल नहीं जानते थे। और यह गर्व की बात है कि शून्य की अवधारणा भारत में विकसित हुई थी।
2. यदि आप Pi के मान '3.14' को उल्टा करके पीछे से देखते हैं, तो यह अंग्रेजी शब्द PIE जैसा दिखता है।
3. 'Calculus' खोज में 'न्यूटन' को उतना ही समय लगा था, जितना एक छात्र को इसे याद करने में लगा है।
4. 'शून्य' (0) एक सम संख्या (even number) है।
5. $111,111, 111 \times 111, 111,111 - 12,345,678,987,654,321$
6. सबसे बड़ी प्राथमिक संख्या 2 करोड़ 20 लाख अंकों से बड़ी है।
7. समान चिन्ह (=) का आविष्कार वेल्श के गणितज्ञ Robert Recorde ने 1557 में किया था।
8. $(6'9). (69) = 69$
9. 21978 को 4 से गुणा करने पर उत्तर इसे संख्या का उल्टा होगा - 87912
10. यह जोड़ और घटाव भी काफी दिलचस्प है।

$$123 - 45 - 67 + 89 = 100$$

$$123 + 4 - 5 + 67 - 89 = 100$$

$$123 - 4 - 5 - 6 - 7 + 8 - 9 = 100$$

$$1 + 23 - 4 + 5 + 6 + 78 - 9 = 100$$



ईशा साहू
बी.एससी तृतीय

मेरे बड़े भाई



वह करते थे क्यों इतना प्यार
हम सब से ये समझ नहीं आई,
कोई नहीं तो थे मेरे बड़े भाई ।।
फिर भी हमें छोड़कर आप इतने
दूर क्यों चले गये भाई । होकर
दूर हमसे क्यों बन गए हमेशा
के लिए आप चौंद मेरे भाई

क्यों एक पल में ही हमें अकेला
कर दिया अपने भाई ।

ढूँढ़ते हैं मेरी नजर रक्षा बंधन में
जिसकी कलाई कोई और नहीं वो था मेरा बड़ा भाई,
अचानक से हमसे इतने नाराज क्यों हो गये आप
मेरे भाई, पापा के सरताज थे मेरे बड़े भाई ।
जब—जब मुसीबत आते थे साथ मेरे खड़े हो
जाते थे । भाई जैसी व्यवहार न कर दोस्त का फर्ज
निभाते थे । कोई नहीं वो थे मेरे बड़े भाई, वैसे तो
पत्थर की तरह कठोर थे पर मुसीबत आने पर मोम
की तरह पिघल जाते थे वो हैं मेरे पिता की परछाई
माता पिता के न होने पर सारी जिम्मेदारियाँ निभा
लेते थे कोई नहीं और वो था मेरा बड़ा भाई ।
सभी बहनों की खुशी का जो एक ही राज थे
वो हैं मेरे बड़े भाई ।

मुरझा गए थे फूल सभी, पतझड़ सा मौसम आने से ।।
याद कर आपकी बातों को, अब जीवन को महकाते हैं ।
आप हमेशा याद आएंगे,
मेरे बड़े भाई..... ।

I miss you so much bhai

रीना यादव
बी.काम. (प्रथम वर्ष)

दहेज-प्रथा



जब से जन्म लेती है बेटी
बस एक ही बात सताती है,
कहाँ से लाऊंगा दहेज के पैसे
ये सोचकर माँ—बाप को चैन ना आती
है ।

अच्छी परवरिश, अच्छी पढ़ाई
इसके बाद भी बात नहीं थमती है,
कहाँ से लाऊंगा ये दहेज का पैसा
बस यही बात सताती है ।

अच्छे घर और परिवार ढूँढ़ना
पहाड़ चढ़ने जैसा हो जाता है,
कहाँ से लाऊंगा इतने पैसे
एक बाप को यही बात सताती है ।

पूर्वजों की छोड़ी संपत्ति
एक—एक कर बिक जाती है,
कहाँ से लाऊं अब कार का पैसा
अब ये नई बात सताती है,

लाखों रुपये खर्च किये बाप ने
फिर भी सुकून न आती है,
एक टी.वी. और गाड़ी के लिए
बिटिया जला दी जाती है ।

एक पल भर में माँ—बाप की खुशी
बिटिया के साथ चल जाती है,
क्यों जन्म दिए बेटी को
ये बात अब उन्हें पुरी जिंदगी सताती है ।

दीपिका साहू
बी.काम. (प्रथम वर्ष)



गुरुकुल की शिक्षा



प्राचीन समय से ही भारत में शिक्षा प्राप्त करने प्रदान करने का तरीका दुर्लभ है प्राचीन पुस्तकों एवं उपनिषदों से पता चलता है कि प्राचीन भारत यें शिक्षा का प्रसार गुरुकुल के माध्यम से किया जाता है उदाहरणार्थ पाण्डवों ने गुरुद्रोण ऋषि वशिष्ठ से राम व

उनके भाइयों ने गुरुकुल जाकर या रहकर शिक्षा ग्रहण किया गुरुकुलों की इतिहास में भारत की शिक्षा व्यवस्था और ज्ञान—विज्ञान की रक्षा का इतिहास समाहित है। गुरुकुलों में ब्राम्हण क्षत्रिय और वैश्य तथा शूद्र सभी कुल या वर्ण के बाल—बालिका शिक्षा ग्रहण करने आते थे। इन बच्चों को अपने माता—पिता आवास को छोड़कर गुरुओं के आश्रम में रहना होता था। गुरुकुलों में पढ़ने वाले छात्रों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान बल्कि अनुशासन का भी उच्चतम शिक्षा दिया जाता था। गुरुकुल में गुरुओं तथा छात्रों की बीच एक आदरपूर्ण रिश्ता होता था। चाहे छात्र किसी भी देश का राजा हो एक छोटा व्यापारी हो गुरुओं का दृष्टिकोण सभी के लिए समान होता था। गुरुकुल में

शिक्षा लेते समय विद्यार्थियों को ब्रम्हचर्य का पालन करवाया जाता था जिससे शारीरिक एवं मानसिक बल में विकास होता था। भौतिक विज्ञान, धातु विज्ञान अर्थशास्त्र भूगोल, वेद उपनिषद इस तरह के ज्ञान वर्धक विषयों का ज्ञान—विज्ञान गुरुकुल में प्रदान किया जाता था। गुरुकुल की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् अन्त में विद्यार्थियों द्वारा सक्षम होने पर धन, अन्न या अन्य किसी माध्यम से गुरु दक्षिणा भेंट की जाती थी। असक्षम विद्यार्थियों गुरु तथा उनके परिवार के लिए सेवा का निर्वहन करते थे तत्पश्चात सभी विद्यार्थी अपने सांसारिक कर्तव्यों को पूरा करने के लिए अपने आवास में वापस आते थे गुरुकुल प्राणाली का सबसे पहला उल्लेख वेदों और उपनिषदों में मिलता है शिक्षा की यह प्रणाली प्राचीन काल से अस्तित्व में थी। यह सर्वविदित है कि यूरोप मध्य पूर्व और पुर्तगाल जैसे अन्य देशों के लोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए भारत आते रहते थे।

पायल यादव

बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)



आत्मविश्वास



आत्मविश्वास का अर्थ—
आत्मविश्वास का अर्थ है— स्वयं पर विश्वास। किसी भी कार्य को करने के लिए व्यक्ति का स्वयं पर विश्वास होना अति आवश्यक है, क्योंकि इस विश्वास के सहारे ही वह उस कार्य में सफलता प्राप्त कर सकता है। आत्मविश्वास सफलता की सबसे बड़ी पूँजी है। आत्मविश्वास के होने से ही मनुष्य में दुगुना बल आ जाता है, मानव-चरित्र का भौतिक गुण तथा उसके जीवन-पथ का प्रबल संबल हैं। यह गुण मनुष्य को घर-परिवार व समाज के संस्कार से मिलता है तथा शिक्षण-अभ्यास से यह विकसित होता है।

आत्मविश्वास की उत्पत्ति— कुछ लोगों में आत्म विश्वास बचपन से ही होता है जबकि कुछ लोगों में आत्म-विश्वास समय के साथ उत्पन्न होता है। माता-पिता को चाहिए कि वह बच्चों को हमेशा प्रोत्साहित करे और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाए। स्कूल, कॉलेज में अध्यापक भी बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और उन्हें उनके हूनर के बारे में बताए उसे उस क्षेत्र में उनका आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। क्योंकि व्यक्ति की खुद भी किसी भी कार्य को करने के लिए अपने ऊपर विश्वास करना चाहिए और दृढ़ इच्छा शक्ति रखनी चाहिए।

सफलता— जिस व्यक्ति में आत्मविश्वास होता है सफलता उस व्यक्ति के कदम चुमती हैं। हर क्षेत्र में लोग उसी व्यक्ति को पसंद करते हैं जो विश्वास से भरा हो और दिए गए कार्य को करने में सक्षम हो और अपनी बात लोगों को आसानी से समझा सके। जिस व्यक्ति में आत्मविश्वास होता है वह अकेला ही सौ के बराबर होता है। इतिहास में बहुत से ऐसे व्यक्ति हुए हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर ही सफलता को प्राप्त किया है। जिस प्रकार जीवन के लिए भोजन की आवश्यकता होती है। उसी प्रकार सफलता के लिए आत्मविश्वास की जरूरत होती है। इसलिए हमें आत्म-विश्वास को मजबूत बनाना चाहिए।

आत्मविश्वास को मजबूत बनाना :—

आत्मविश्वास के अभाव में हमारे दिमाग में आने वाले उत्तम विचार भी व्यर्थ चले जाते हैं। क्योंकि विचारों का महत्व तभी होता है, जब उन पर अमल किया जाये। और यदि व्यक्ति में आत्मविश्वास का अभाव होता है ऐसे उत्तम विचारों की कोई उपयोग नहीं कर पाता। इसलिए जब भी ऐसे उत्तम विचार आये, उन्हें कार्य रूप देना चाहिए। तथा दिमागी मैमोरी से असंभव यह नहीं हो सकता यह कठिन है ऐसे शब्दों को निकाल देना चाहिए। तथा जिन उचित कार्यों को करने से डर लगे, उन्हें बार-बार करने का अभ्यास करना चाहिए। सफल लोग यही सोच अपनाते हैं।

आत्मविश्वास का महत्व:—

आत्मविश्वास सफलता की कुंजी हैं। जो व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, छात्रों को अपने कैरियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने और जीवन में सफल होने के लिए आत्मविश्वास प्राप्त करने का अभ्यास करना चाहिए। यदि आप में आत्मविश्वास है तो आपके जीवन में सफलता की संभावनाएँ अधिक हैं। आत्मविश्वास से ही विचारों की स्वाधीनता प्राप्त होती है और इसके कारण ही महान कार्यों के सम्पादन में सरलता और सफलता मिलती है। जो व्यक्ति आत्मविश्वास से ओत-प्रोत है, उसे अपने भविष्य के प्रति किसी प्रकार की चिन्ता नहीं रहती। उसे कोई चिन्ता नहीं सताती।

“सफलता के लिए आत्मविश्वास आवश्यक है,
और आत्मविश्वास के लिए तैयारी।”

“जैसा हमारा आत्मविश्वास होता है,
वैसा ही हमारी क्षमता होती है।”

भूमिका साहू
बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)

CONCENTRATION - THE KEY TO SUCCESS



Our world has become busier and busier with more Channels on TV, Radio, Online entertainment platforms, Website, E-mail, mobiles phones and others forms of attractions and interruptions in our daily life. We become overwhelmed in finding new ways for simplifying our life. But in reality, the so-called time saving devices end up chewing up more and more of our time. By the end of the day all one wants is to be successful but unfortunately, we are unable to focus on one particular thing.

One of the secrets - a powerful tool and a magic key to become successful and an extraordinary person is "Concentration". Ordinary people use this simple tool. Which knowingly or unknowingly make them extraordinary, helping them to achieve excellent results in their lives.

Concentration : A simple 13 letter word which has tremendous power to transform the direction of one's life in the direction one intends to. Success and failures are part of the progress in our life, but each has to be handled differently. Though the common factor for both remains the same; i.e. "Concentration"

Successive failures in life sometimes makes one think about our lack in having good concentration and hence unable to focus on the task at hand. Concentration is a skill that can be improved with constant habit, training and practice. To conclude, it goes without saying that concentration help us to solve problems and make us attain our goals through the best path. It is very difficult to successes without concentration. A mind that can concentrate is a beautiful mind. Thus, being mindful and having good concentration will give us power to overcome the challenges in life and give desired results in the end. Don't you think concentration is indeed the magical key to success? So let's begin to improve our concentration today.

Remember the mystical words of Lord Jesus :

"Therefore I say unto you, What things soever ye desire, when ye pray, believe that ye receive them, and ye shall have them." - Mark 11:24

Jesus says that whatever they command will happen if they believe.

Fariza Aamna

B.Com Ist Year

YOGA FOR A HEALTHY LIFE



We are living in the era where technology is advancing at a fast pace changing almost on a daily basis. With the invention of new technology, smart phones, electric vehicles

people are getting completely dependent on them. The new developing technologies make our lives very easy and comfortable. But at the same time it has led to drastic reduce in physical activities, games and thus leading to sedentary lifestyle diseases, seen in youngsters also these days. Technology and excess screen time has also led to several mental health issues such as depression, anxiety, etc. To overcome all these problem, what we need today is - Yoga.

Yoga is union of Atma and Parmatma. It is an astonishing fact that the yogic tradition which is more than 8000-year-old has recently become the popular way of life for not only the old generation but also the younger generation. Presently, people consider that yoga is a significant mean to achieve a healthy as well as a positive lifestyle. Yoga is one of the most affordable and convenient form of exercise, which has lots of advantages. There is no need to purchase expensive gym membership, exercise machines and other equipment. Practicing Yoga daily at home not only saves money but makes us healthy and gives immense mental peace.

There are several benefits of Yoga – it helps in improving our flexibility, lower our stress level, increases our confidence and concentration, enhances memory power, removes anxiety; and many more. Various lifestyle disease life stress, obesity, diabetes, asthma, hypertension, lower back pain, migraine and depression can be prevented by yoga. It cures several menstrual related problems, so it becomes even more important for every girl and woman to practice yoga every day.

21st June is celebrated as World Yoga Day, thanks to our Honorable Prime Minister Shri Narendra Modi ji and Baba Ramdev ji. It is only because of the initiative taken by them and the massive propaganda, that today Yoga is encouraged and practiced worldwide. There are various asanas and pranayama in different forms of yoga which can be practiced by people according to their needs and health issues.

The quote by Patanjali, "Yoga is the journey of the self, through the self, to the self," encapsulates the profound essence of the ancient practice. It emphasizes that, at its core, yoga is not just a physical exercise but a transformative experience of self-discovery and self-realization.

Chanchal Patel
B.Sc. III (Bio)

“FROM SMALL TOWN TO MOON”



most talked-about projects in the world. His is a shining example and hope for countless individuals hailing from small towns, overcoming adversities and who dream of making it big, hoping for a brighter future for India.

His story is a powerful reminder that the nation's strength lies in the untapped potential of individuals like Bharat, who tirelessly pursue their dream, regardless of their modest beginnings.

“There are many Bharat like him around us, who come from humble background from the small towns and who are pushing the dreams of new India every day.”

Khushi Jain

B.C.A.- III

MOTHER, FATHER – THE TWO PILLARS OF MY LIFE



Some people say that you are a sum of all your influences. For the most part I agree with these people. I have had many influential people in my life. I believe these are my friends, family members, people whom I have known all my life, my schoolmates, social media and even television has helped to mould me into who I am today. But I think the two most influential people in my life are my parents.

My father is made from the fibers of hard work and he is tough as a nail and quite a stubborn guy. My Mother is quite the opposite. She is gentle, caring, and a deep thinker. My father was a wild man growing up. I know a lot about his crazy youth because he never missed the chance to pull me aside and tell me story that “You can't tell your mother I told you”. I always loved this nature of his.

My mother also had stories about her youth, but they didn't start in the same manner as my father's. Actually, her stories were pretty wild in their own way too.

She would insist on telling me these stories when we were in a heated argument. Even so, my mom always loved to scold me with her usual threat, “I'm telling your father when he gets home.” And again, after that she would tell me the stories of her youth.

They are the most important people in my life. I love my mother and father very much. They inspire me a lot to do well in life.

Deepika Sahu

B.Com 1st year (Computers)

“RESPECT ALL RELIGION”



Indian culture is heavily influenced by religion. Many aspects of Indian culture, such as the caste system, have their origins in religion. Religion also plays a role in Indian politics and society. Hindus, for example, make up a majority of the population, and Hinduism has a significant influence on Indian culture. Our religions are ways in which we share with others our personal experiences with God. We must respect religious freedom because this is one of the fundamental human rights. Showing respect does not mean that we say we are alike, but showing respect means being aware of our differences to understand one another.

Religion ideally serves several functions. It gives meaning and purpose to life, reinforces social unity and stability, serves as an agent of social control, promotes psychological and physical well-being, and may motivate people to work for positive social change. Religion teaches you a set of practices to live by, such as being kind to others, telling the truth, or praying. Something that all religions have in common is that they are based on faith, which is being confidently sure about something even if you cannot see it.

Religious equality means treating all religions the same: Christians, Sikhs,

Hindus, Buddhists Muslims and Jews, as well as all denominations within each of them. Right to equality and freedom of religion, both are fundamental rights guaranteed by the Constitution. Being culturally aware allows us to acknowledge our worldviews and heritage. We get a better understanding of the differences in the customs and beliefs of others. Exploring and educating ourselves with different cultures helps us to strengthen ourselves.

One learns to listen better, have more empathy, and how to compromise. One learns how to trust. This can be an especially a hard lesson to learn for some people who have not been able to rely on many people in their lives. Our religions are ways in which we share with others our personal experiences with God. We must respect religious freedom because this is one of the fundamental human rights. Showing respect does not mean that we say we are alike, but showing respect means being aware of our differences to understand one another.

Indians see religious tolerance as a central part of who they are as a nation. Across the major religious groups, most people say it is very important to respect all religions to be “truly Indian.”

Pallavi Channurwar

B. Com III. (Computers)

ROBOTICS:

Shaping the Future of Technology & Industry.



What comes to mind when you hear the word “Robot”? Do you picture a metallic humanoid in a spaceship in the distant future? Perhaps you imagine a dystopian future where humanity is enslaved by its robot overlords.

Whatever your think, one thing is sure: robots are here to stay. Fortunately, it seems likely that robots will be more about doing repetitive or dangerous tasks than seizing supreme executive power.

What is Robotics?

Robotics is the engineering branch that deals with the conception, design, construction, operation, application, and usage of robots. The objective of the robotics field is to create intelligent machines that can assist humans in a variety of ways.

Advantages & Disadvantages of Robots

Like any innovation today, robots have their positive and negatives impacts. Here's a breakdown of the good and bad about robots and the future of robotics.

Advantages:

- Robots can work in environments which are unsafe for humans, like in the nuclear or chemical industries.
- Robots can offer increased productivity, efficiency, quality, and consistency.
- Many robots can be re-programmed configured for different tasks.

Disadvantages:

- Robots can create economic problems because they continuously replace humans.
- Robots are very costly and are available in different prices as per applications of use.
- Although robots can be superior to humans in some ways, they are less dextrous than humans, they don't have such powerful brains, and cannot compete with a human's ability to understand what they can see.

Conclusion -

Robotics is the future, the key to success, in the future; robots can do the tasks of 5 humans at one time. So, now is the time to go with this futuristic technology to become a technically advanced nation. As we embrace the era of robotics, we must do so with careful consideration, ethical mindfulness, and a commitment to harnessing this transformative technology for the betterment of humanity.

Kareena Daryani
B.C.A III

“The Art of Turning Obstacles into Opportunities”



'If there's one characteristic found in all successful people, it's the ability to persevere and overcome obstacles.

Do you dread dealing with any type of obstacle? Most of us do. We want life to be easy. But it seems that obstacles continuously thwart our efforts and limit the quality of our lives.

Obstacles can be a blessing! Obstacles are often the path to great success and achievement. Obstacle isn't a roadblock. It's an opportunity.

It's there's one characteristic found in all successful people, it's the ability to persevere, and overcome the obstacles. Those who struggle in life and don't want to fight the adversities, invariably give up far too quickly.

Overcoming obstacles require three things:

- (1) It begins with the ability to perceive the situation accurately - this requires having a true understanding of how the world works. It's important to get relief from all the emotional distress. Excessive emotions clouds our perception and can inhibit our ability to take action.
- (2) Act Intelligently – All of us take actions every day. Even lying on the couch and watching T.V. is a course of action. However, few of us take intelligent action. Intelligent action consists of actions that are most likely to lead to success.
- (3) Accept and persevere - Creating opportunities from obstacles require will. When placed in a situation with multiple obstacles and little hope, do you continue or do you give up? The ability to accept the situation makes intelligent action easier. Lacking acceptance, you will face too much emotional struggle to perceive accurately or to act intelligently.

Conclusion

When we view problems as opportunities, we are more likely to find creative solutions.

Additionally, by taking on challenges, we are more likely to achieve our goals. Therefore, instead of seeing obstacles as roadblocks, we should view there as stepping stones to success.

It also includes seeing the positive side of things, developing new skills and confidences and achieving success.

Akshita Joshi
B.C. om IIIrd Year

“FINDING JOY IN EVERYDAY LIFE”



Happiness “a state of wellbeing and contentment” (Meariaus – Webster, 2018)

Happiness is the feeling of joy and it is one of the most pleasurable equations of life. For many people happiness is something that is searched for and a goal that is set. There is an enormous number of specific things that can bring you happiness. Everyone's perception of happiness is different. Happiness is just a state of mind.

For most people happiness isn't a permanent state of mind. It is a feeling that one must really take in, to feel it and appreciate it completely.

Achieving happiness might seem difficult, but if you see around yourself, you will find inspiration everywhere. Happiness is perceived differently by every individual. Is life really about big brands, having the newest technology and having an expensive car? Or is it about having caring and loving family and friends? Today everyone's definition of happiness is different and so is the way in which they look at happiness is different. Many people usually search for happiness in money, material things and meaningless relationships. None of these lead to real happiness, these give you just momentary happiness and then leave you with a void, wanting for more of these materialistic things,

This is a problem in our society. everyone wants the “result of happiness” but do we know the correct way to pursue it?

Well, here are the ways through which you can find true Happiness is life -

- Be strong and optimistic.
- Keep yourself busy.
- Give yourself reasons to smile.
- Follow your instincts.
- Be generous and compassionate.
- Learn how to forgive others.
- Do the things that make you happy.
- Listen to inspirational speeches and podcasts.

T. Gitika
B.Com IIIrd year

MY FIRST DAY AT COLLEGE



College is a dreamland of every student's educational career. It a beautiful period of learning, enjoyment, freedom and friendship. Sweet memories of college life are simply amazing. They have an everlasting impact on human memory.

“What a beautiful chapter of a student's life College life is!”

College are places where pebbles are polished and diamonds are dimmed. Life in a college is more than a serious effort to get education. Moreover, college is a place for making friends and chalking out programs to go out to the movies, plays and picnics.

College life has its own charm and beauty. Each and every moment spent there is always worth-living, worth-enjoying and also worth – remembering. Out of all the days, we can never forget the first day of our college life.

First day of college is really very special and memorable for every student. The first of anything impresses us most. That is why we hardly ever forget our first friend who usually becomes our best friend. Likewise, we cannot forget our first day at college, the day that symbolizes the transition period in one's life. It comes to my mind again and again and I relive those lively feelings, those impressions, sights and sounds; whenever I think of my first day of college.

Priti Adhikari

B.Com II year

THE KALKI AVATAR

The tenth incarnation of Lord Vishnu will take place in the end of Kali Yuga as KALKI. It will represent advanced humans with great powers of destruction.

As Lord Krishna in Bhagavad Gita said,

yadā yadā hi dharmasya glānir bhavati bhārata
abhyutthānam adharmasya tadātmānam s-ijāmyaham –

paritrāṇāya sād-ḥnām vināśhāya cha duḥkṛitām

dharma-sansthāpanārthāya sambhavāmi yuge yuge - Bhagavad Gita 4.7 - 4.8

Meaning:

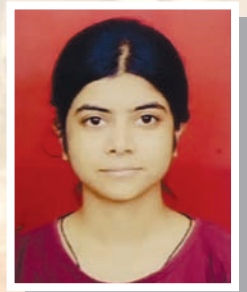
Whenever and wherever, there is decline in religious practice, O descendant of Bharata,

and a

predominant rise of irreligion - at that time I descend myself to deliver the pious and to

annihilate the miscreants, as well as to re-establish the principles of religion, I myself

appear. Millennium after millennium.



Tarini Rajak

B.SC. III (CS)

RELATIONSHIP OF THOUGHTS & MENTAL HEALTH



Our mental health is mostly dependent on thoughts or our thinking process and it's all linked to each other. Thoughts can change moods, which affect our mental health and also our physical health. To understand why mental health and physical health are so closely linked, it's important to remember that the distinction between the two is a very thin line. Our thoughts, moods and mental state may feel abstract or separate from the physical. But they are all happening simultaneously as a part of our brain's activity. Thoughts or processing thought cannot be controlled but can be change into positivity to bring stability in mental health.

Positive thinking is generally more helpful and healthy than negative thoughts or negative thinking. It's important to balance positive thanking and minimize difficult thoughts. Thinking is our first step to plan and execute about

anything, even our daily routine and life style depends on it. Because it helps us in making the right decisions. It's true that everyone has gone through a difficult situation in their past, and facing a much difficult present and it's obvious that everyone at some point or other may get worried about their future. But one positive thought can change your mood, affect your decisions, and make you mentally stable. It helps in maintaining a good physical health. The first thing to know is that positive thinking doesn't mean to ignore the current situation or emotions what one is going through or feeling. Rather one should seek self-motivation, and move on with life and be prepared to face the difficult situation.

Let's always remember this –

"Nothing is Impossible; the word itself means – I'm Possible"

Palak Bhaskar

B.com 1st year (Computers)

CREATIVITY

Many events are conducted in schools and colleges related to Creative writing and crafts. etc. And students winning those competitions feel as if they are very creative. But what is the real meaning of creativity? Is it just a skill or phenomenon of forming something new and unique by participating in an event? Even teachers encourage students to use the internet to get ideas for making creative things.

Creativity is a long process; it needs time and patience. It cannot come just by looking at a topic and writing over it in one day or two, this type of creative writings come with readings of other works and past experiences, there's nothing instant about it.

Everyday enhance your creativity slowly, ask and guide yourself to not mix your thoughts with the things you have seen or read under someone else's creative ideas. Think about what you feel is unique and have never seen it before. You can become creative, no one is born with it. "Creativity is a process not an event."



Lily Grace

B.Sc 3rd year (PCM)

MY JOURNEY OF KARATE & IMPORTANCE OF SELF-DEFENCE



My Name is khushboo Sahu. I am a student of B.Com 1st year. And I am 17 years old. I am a Karate player. I have been practising and playing Karate since childhood and I have represented Chhattisgarh in National Level and I am a National medallist. I started playing karate when I was a kid. I got to know about Karate from my father and I became curious about it. I came to know about Bruce Lee from the internet and I got really inspired by him. I got trained in Karate by Harsha Madam.

Karate is a form of martial art, karate originally started in Japan. The word karate means empty hand. Karate is a martial art in which both, hands and legs are used to fight your opponent. Karate championship is also held in Olympics. It has different levels and different coloured belts according to the levels.

When I played my first tournament, I was very nervous. Before the match, my father asked me to calm down and motivated me. This gave me confidence and finally I won my first gold medal and State Level Championship. My mother always supports and encourages me to play karate. Till now I have won many medals at different level and I am hoping to win more medals I dream and aspire to play karate and represent India in the Olympics.

Karate has helped me focus on achieving my goals. Karate training improves stamina, strength, speed and flexibility. Because of the intensity of the training, karate improves one's overall fitness. Karate is also a very good form of self-defence. Learning karate is very good for our safety. And now-a-days all girls and women, must learn the techniques of self-defence to face any kind of misbehaviour, hooliganism, robbery, sexual harassment etc. One must take brutal method of attack without any hesitation and we are taught in karate to attack on the vulnerable points of the opponent's body. As it is said prevention is always better than cure.

Khushboo Sahu

B.com 1st year (Computers)



खेलों से आता है जीवन में अनुशासन

रायपुर @ पत्रिका. इनडोर स्टेडियम में दीनदयाल उपाध्याय नगर थाना की टीआई योगिता खापर्डे ने कराते क्लास के बच्चों को करियर और डिसिप्लिन के लिए मोटिवेट किया। उन्होंने कहा, खेल एक ऐसा माध्यम है जिसमें बच्चों में अनुशासन लाया जाता है। पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को खेल में भी करियर बनाना चाहिए। इस कार्यक्रम में कराते एक्सपर्ट हर्षा साहू, तेजस्विनी फाउंडेशन के फाउंडर सेराज खान, राष्ट्रीय तीरंदाजी खिलाड़ी डोमेश्वरी साहू, कराते कोच



राजा दुबे, योगाचार्य कन्हैया पांडे साथ बच्चों के परिजन भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीतने वाले बच्चे रुद्र साहू, धरोहर ठाकुर, अंजली नागवेंद्र, ईवा नागवेंद्र, अमृत गोदरे, खुशबू साहू, को मेडल, टी शर्ट और कराते ड्रेस योगिता खापर्डे के हाथों से दिया गया।

21वीं राज्य स्तरीय शालेय स्पर्धा: रायपुर के कराते खिलाड़ियों ने जीते 18 स्वर्ण पदक



21वीं राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिता में रायपुर जिले के कराते खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 43 पदक जीते हैं, जिसमें 18 स्वर्ण, 16 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। बिलासपुर में आयोजित की गई राज्य स्पर्धा में कराते खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रायपुर की टीम ओवरऑल चैंपियन की ट्रॉफी भी जीतने में सफल रही। पदक विजेता खिलाड़ियों से शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने मुलाकात की और उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कोच राजा दुबे, कन्हैया अग्रवाल, विजय तिवारी और प्रशिक्षक हर्षा साहू भी उपस्थित थीं।

A MOMENT LASTS FOR SECONDS BUT THE MEMORIES LASTS FOREVER:



I never expected to get an opportunity to go to Nationals.

My Nationals were held in Mumbai the venue was "Somaiya Vidyavihar University" 14th February, 2023 was the day when I had my first ever National squash Match. Oh my God! I was so nervous, at the same time I was so excited to experience this feeling of getting to play at the Nationals.

Everyone on my team was very friendly. We developed a bond while travelling. The tournament was from the 13th to 17th February for both men's and women's tournament.

On 12th February we arrived at our destination. It was a very new experience for me, as it was my first time that I was travelling with a group of people whom I had never met before. We stayed at the medical college dormitory of the above mentioned university.

The building there were huge, so we were handed our respective schedules with the buses allotted for the particular time of our matches.

The next day, the inauguration ceremony took place and we got to know which all teams were selected. The men's match was on 13th February, they easily won their first match. With our morale high, the girls also won our first match.

The techniques used were different for different players, some used more power some used more tactics to win their respective matches.

The intensity that I felt there was overwhelming. All the players were amazing the amount of perfection they had was of the highest level I have ever seen. Their footwork's, their mind set and the way they were so focussed on their game, was something that I wanted to steal from them and make it my own; but I know that I have a long way to go. I wanted to absorb all of it and bring it out in my game as well.

We somehow managed to pass the quarters and entered the quarter finals but we lost.

Every loss teaches us something.

We were not sad but rather we realised that we needed to review why did we lose and start to improve our game. So that next time when we come back to play for the Nationals, we can give a tough competition to our opponents.

We watched all the matches till the Finals and the knowledge we gained there was truly invaluable.



Aditi Shukla
B.Sc. III (CS)

“POWER OF POSITIVE THINKING”



In a world filled with challenges and uncertainties, the power of positive thinking can be a game changer. By shifting our mind set and embracing optimism, we have the ability to transform our lives and create a brighter future. There are immense benefits of positive thinking and one can learn to cultivate a positive mind set anytime one wishes to.

The mindset of today's youth can vary as they have to face so many challenges and competitions. Some are self-driven and self-motivated, while other may struggle with negative thoughts and pressures. It's important to remember that everyone is unique and faces different challenges.

Today's youth face pressures from social media, academic expectations, and the uncertainty of the future can contribute to stress and negative thoughts. It's true that some youth struggle with their mind set and unfortunately, that can lead to an increase in suicide rates. This serious issue can be erased from our society with the help of the power of positive thinking.

Nowadays people get worried over small things. Everyone has to face various challenges in life, so people should try to let go of little things which make them worried and they should promote a positive mind set to grow in life. You should surround yourself with positive influences and stay away from negative influences. Surrounding ourselves with supportive, uplifting and motivating individuals can greatly contribute to our personal growth and wellbeing. So, let's erase negative mindset and create a positive mindset for our better futures.

1. First of all, you should be grateful for each day and for what we have because what we have now, others may not have even that much in their lives.
2. Second is to engage in self-care – this is of prime importance. Take care of your physical and mental well-being through activities like regular exercise, meditation and hobbies that bring you joy.
3. Set small, achievable goals which can give you a purpose and direction in life and which will motivate you to stay positive and work towards achieving them.
4. Celebrate your achievements no matter how small it is.
5. People should focus on the present moment, find a balance and not be consumed by worries. We should become aware and stay mindful, only then can we enjoy the present moment and handle future challenges more effectively.

The power of positive thinking is undeniable. By consciously choosing to adopt an optimistic mindset, we can experience a profound transformation in our lives.

“Remember, my friends you have the power to shape your reality with the magic of positive thinking”

Shristi Pujari

B.Com III year (plain)

POSITIVE APPROACH

Teary eyes and face with a frown
 I was sitting alone at the beach
 Looking at the sand light brown.
 Thinking about my life and breach.
 Looking at a girl running around,
 playing with her dog. I found,
 Sitting beside me she said,
 Your face so sad what made?
 stupid situation of my life,
 feels like killing them with a knife
 She said, look around for a while,
 There is so much for you to smile.
 Look at the colourful balloon,
 They teach us something true.
 They say not every day is a bright boon,
 Grey days will one day get a sue.
 Waves tell you to never stop
 Life is like a beautiful broach.
 One day you will reach the top,
 Just wear it with a positive Approach.



Poonam Dhankar
 B.Sc. III (CS)

SHE IS Magic SHE IS MAGIC

She's a weird, bizarre and strange,
 Her mind can anytime change,
 But; She is magic!
 She sways away from her words,
 fly away from promises like a free bird
 But; she is magic!
 You may call her mad and insane
 But; she is magic!
 She wears strength and darkness equally well,
 the girl has always been half goddess half hell;
 But; she is magic!
 She's a little mix of happy & sad
 But; she is magic!
 She's a falling star burning in the night.
 She's the shimmer on the water in a
 River of moonlight,
 But; she is magic!



Ruchi Chandrakar
 B.Sc. 3rd year (PCM)

“MANTRAS & POWER OF OM”



According to Vedic knowledge, Mantras are powerful and effective if chanted with full consciousness and attention, and with an understanding of their meaning. A mantra is a sacred verbal formula repeated in meditation. The chanting of mantras helps to open the heart and mind, to clear consciousness which is the reality of our true identity, our spiritual being. Mantra also creates an uplifting and meditative atmosphere for inner communion with the Almighty and one-pointedness for our concentration.

The Pranava or OM is the universally accepted symbol of Hinduism and Vedic culture. Literally the word Pranava means "That by which God is effectively praised". It also means, "That which is ever new" Om is the sacred sound of Brahman. Of all the Vedic verses, the most powerful and significant word is the single syllable incantation called Om. It is believed one's own beastly nature may be conquered by repeatedly chanting "Om". Om is the Akshara or imperishable syllable. Om is the universe. It is the best name of God. The past, the present and the future, all that was, all that is and all that will be, is Om. Likewise, all else that may exist beyond the bounds of time, that too is Om.

All religious rites are started with the chanting of Om. Not only that, if anyone starts chanting Om at the time of his death, simultaneously thinking of God, he attains the highest truth according to ancient belief. The yoga Sutras of Patanjali declares that Pranava is the symbol of God and that one can attain Samadhi by its repetition and meditating on the sound and vibration of 'Om'.

The symbol om is used for invocation, benediction, ritual worship, festivals and religious ceremonies. It represents three separate sounds 'A' 'V' 'M' plus the realisation and resonance of the sound. It is said that within the 'AUM', Lord Vishnu is 'A', Lord Brahma is 'U' and Lord Shiva is 'M', bindu (dot) is the trinity in unity while the nada (crescent) symbolizes transcendence. In the upanishads however, AUM is the symbol of the Nirguna (formless) Brahma, without attributer, beyond human consciousness & duality.

Ritika Yadav
B.com II Year

IMPORTANCE OF GIRLS EDUCATION



Girls' education is the most important need in the world in the present scenario. An educated girl contributes in different fields for the advancement of the country. She can be an important reason for bringing fortune to her family and also to the nation. Girls' education is identified with the development of the country. Every country is concerned about the education of every girl child.

Equality in power sharing and participation in decision making should be provided for achieving girl's empowerment. Researchers and social Scientists have recognized that powerlessness, voiceless and lack of freedom which prevents girls from getting active education and training in many parts of our country. Girls are still discouraged from going to school.

Education is the most powerful instrument you can use to change the world. Education is necessary for girls in today's time when the world is going through the ups and downs of economic crises. Whether single or married, an educated girl can work and help her family in bearing the expenses and support the family.

Education broadens the minds of girls, and we need to understand the fact that without the growth and development of girls and women, the growth of the country is not possible. We have seen that girls' education has helped in uprooting the social evils like child marriage, honour killing, dowry, domestic violence etc. It is really unfortunate that as per UNESCO, around 66 million girls do not attend school globally. For the growth in economic and social area, equal opportunities should be given to both boys and girls in getting proper education.

"Today's girls will be tomorrow's Kalpana Chawla".

Rimi Biswas

B.Com 1st Year (Plain)

DREAMS



Dreams are important in our lives as they give us direction. Without dreams our lives would be like an aimless lost ship in the sea. And no one would want to make their life like an aimless wandering ship. It prepares a person to set goals achieve them. Dreams are very important to achieve success and fame. Everyone wants to achieve something big, but most of them have never devoted the time to think about what it can be for them. We need to have will power to work towards our dream. We might want to give up because it will often feel like a never-ending battle. We must choose to be stronger than our fear. Greatness is not achieved without failure. In life many challenges come, but we should overcome all the obstacles to achieve our goal. Dream is a kind of feeling which does not let us sleep, until we have achieved our desired goals in life. Our dreams empower us to do everything to achieve whatever we want in life.

Dharna Sinha

B.Com 1st year (Computers)

THINK POSITIVE

Think Positive
Is what always echo in my ears
Do not think otherwise
This will wipe away your fears.

The moment anything negative
Comes to your mind,
Immediately strike it out
By thinking about something positive.



Anjali Nishad
B.Sc. III (CS)

While praying do not bring
Any negative words in your mind,
keep chanting only positive.
Peace and solace then you will find.

Say, we are stuck in the mid of a bad traffic,
We pray, 'Oh God! I should not get late!'
See a negativity running in our mind
And by God, we are late!

Our whole day goes bad
We keep blaming like mad,
Instead, a positive prayer. Oh God, May I reach early,
Might have worked out fairly!
As one says, it's always easier said than done!
As it's not really easy to eliminate negative
Thoughts from our mind,
But surely, it's possible to strike out the negative,
And thereby make our disturbing thoughts unwind.



DEPRESSION, ANXIETY AND SOCIAL MEDIA



A girl named Lisa feels sad, hopeless, has lack of motivation and disinterested in life. Sometimes she just wants to commit suicide and end her life. She feels insecure about “What will people say?” She's afraid of being judged at social

gatherings, she is afraid of even going out of their home. She lost interest or pleasure in activities that she used to enjoy earlier.

Do you know, What condition is she going through?

She is facing depression. What is depression? Depression is a mental health condition that results in the feeling of sadness, hopelessness, de-motivation and disinterest in life.

Depression may feel like :

- There is no pleasure or joy in life.
- Concentration or focussing becomes difficult.
- Everything feels hopeless.
- Self-esteem is often lost.
- Sleeping may be difficult.
- Energy level becomes very low.
- Food may not seem appetizing.
- Aches and pains may be present at all times.
- Craving for comfort foods.

Anxiety is common and natural, but is can also cause physical harm. Anxiety is a feeling of fear, dread and uneasiness. It might cause you to sweat, feel restless and tense and have a rapid heartbeat. Anxiety may occur as a symptom of clinical depression.

Social Media has been shown to be correlated with anxiety and depression. This correlation could have to do with teens connecting more online rather than in person, leaving them feeling socially isolated. It could be that kids who already feel isolated use social

media more. Seeing lots of perfect pictures online might make kids view themselves negatively. Feeling bad about themselves can lead to depression.

Social media can also create FOMO. FOMO stands for fear of missing out. FOMO also play a role in creating anxiety and depression. If everyone else is using social media sites, and if one does not join in, then they get a feeling of missing the connections or invitations.

Missing the experience of being with their peers can create anxiety and depression among youngsters and teens. It can affect their thoughts and feelings; it can affect their physical growth.

Ways to Overcome depression:

- Get Some Exercise
- Get Adequate sleep
- Get in a routine.
- Set Goals.
- Get Enough sleep.
- Challenge negative thoughts.
- Make time for family and friends.
- Do thing in which you find happiness.
- Do Something new
- Try to have fun
- Reframe your thoughts
- Listen to upbeat Music
- Talk to your Doctor or therapist
- Cultivate a Hobby

“Depression is her being colour blind and constantly being told how colourful the World is”

Urooj Huda Siddiqui

B.Com 2nd year (Computers)

THE “ART OF LIVING”



“Whenever you are in love and feel joyous, your mind is in the present. The Art of Living is all about being in the present moment.”

Art of living Foundation is a volunteer based, humanitarian and educational non- governmental organisation (NGO). The Art of living is a mission started by Sri Sri Ravi Shankar to make life a celebration.

The goal of Art of living is to turn every tear into unconditional love.

Unless we have faced stressed, we cannot achieve peace. A stressed mind makes a person aggressive and the aggressive mind generates negative actions. To help individuals to get rid of stress and experience inner peace, the Art of Living offers very powerful tools for stress eliminating. Which includes breathing techniques such as SUDARSHAN KRIYA and yoga. Appealing not only to specific population, these practices have globally affected people in

all levels of society.

Sudarshan Kriya incorporates specific natural rhythms of the breath which harmonizes the body, mind and emotions. This unique breathing techniques eliminate stress, fatigue and negative emotions, such as depression, etc. leaving you calm yet energized, focussed and yet relaxed. Millions around the world are commending about this wonderful practice and have reported a better quality of life.

I am a part of the Art of Living foundation and I can say that this is one of the best

decision I have made in my life. Art of living Foundation has been a transformational journey for me. I am very grateful and thankful to the one who made me select this spiritual path and make my life worthy.

“It you can control your mind; you can achieve anything.”

Aeshika Dewangan

B.Sc 3rd year (CS)

BEAUTIFUL MIND, BETTER THAN A FAIR COMPLEXION

Someone has very rightly said, 'Beauty isn't about having a Pretty Face.' It is about having a pretty mind, pretty heart and most importantly, a beautiful soul. In India, people are so obsessed with fair complexion that they reject the girls for marriage, just because of her dark complexion. When we read matrimonial advertisements, it is really sad to see that everyone wants a fair complexioned bride, for job ads, everyone demands people with fair skin. High sale of all fairness creams is also an indication of people's obsession with fair complexion. It is totally in contrast to people of western countries, where they are crazy about getting tanned skin. Also, they pay a good amount of money to get a tanned skin. It is high time that we need to understand that we are all supposed to be different. Our brown skin has its own beauty and it perfectly suits us. what matters is that we have a beautiful heart under this dark-complexioned skin We need to focus on being good human beings, only this will take us ahead in life. Let's not forget, beauty is only skin deep. The skin is something that will stay only for a short period of time, whereas a positive character is eternal.



Madina Bhati

B.Com- 2nd year

SACRIFICE FOR SUCCESS

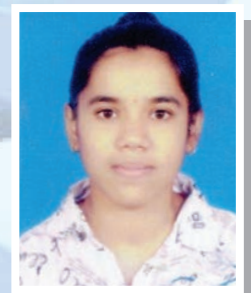
You came to this world alone
you will walk on the road alone
No one has the key to your success
Except you alone.

You have to know this bitter truth
Success is not meant for all
only those who know the way
And are willing to tread on the path
Without the consideration of the pains

And are ready to sacrifice their all
shall attain the level of success
If you are ready for the work at hand
you will truly become the success you want
The road is rough

It is tough
But never go off
By it, your success shall be made possible
Expect not your mother, nor your father
Your heart to heart or your comfort,
you must know that the road must be walked alone

You are the only one to do the work of the goal
Your success awaits you
If you are ready to offer the sacrifice
Then go for it !



Neha Gayakewad
B.Ss 3rd year (PCM)

CHANDRAYAAN-3



Chandrayaan -3 is like a magical story from India about exploring the moon. It is India's successful moon mission conducted by Indian space research organisation [ISRO]. It was launched on July 14, 2023 at 2:35PM from Satish Dhawan space centre situated in Sriharikota, Andhra Pradesh.

Chandrayaan-3's lander Vikram has successfully landed on the South Pole of the moon. India is the first country to achieve this remarkable feat. The main objectives of Chandrayaan-3 were to safely and softly land on the surface of the moon and conduct on-site experiments on the lunar Surface. This mission had three parts - a lander named Vikram, a satellite called an orbiter and a Rover named, Pragyan. The main purpose of Chandrayaan -3 was to confirm the presence of water ice on the moon surface. The total budget of Chandrayaan-3 mission was about 615 crores. With this successful achievement, India has made a new history in space science.

To mark the successful landing of Chandrayaan-3, "National Space Day" will be celebrated each year on August 23rd. This was a follow up of Chandrayaan -1 and Chandrayaan - 2 which failed to make a soft landing on the surface of the moon.

It's landing marks the major milestone for nations space program. Our country become fourth after U.S, China and Russia. It was indeed a very proud moment for the entire nation.

Trupti Chouhan

BSc. Bio 3rd Year.

THE RISE OF A-I



ARTIFICIAL INTELLIGENCE.... Generally, the first thing that comes to our mind is menacing robots. However, this is not accurate.

Artificial intelligence is an imitation of human knowledge that is programmed in different machines, using algorithms, to simulate the thoughts process and actions of humans. The first concept for A-I started in 1950s, where many mathematicians, Scientists, and Philosophers explored the possibility of machines that solved problem and made decisions like humans. Over the years, AI research has grown by leaps and bounds, and many programs are created to be used on a daily basis. From Virtual assistants like Siri, to the use of autopilot on an aircraft, artificial intelligence is everywhere.

A-I helps those gain the knowledge to understand how beneficial or dangerous this technology can be. As Artificial Intelligence continues to develop many questions arise as to whether. A.I. will become more advanced and have an upper hand over humans, causing singularity to occur. Thus, leading to evolution of super intelligences that became smarter than humans. Instead of taking over humanity, AI and humans can merge intelligence, and work together, integrating for maximum efficiency. AI confinement protocols can serve as the solution to slow down the effect of singularity and allow human to benefit from the superintelligences formed safely.

Isha Sahu

B.Sc 3rd year (CS)

LIFE WITHOUT LIMITS

A TRUE STORY OF INSPIRATION,



Imagine that you have no hands. You don't have your arms either. Sit in groups and discuss what things you won't be able to do without your legs. Now imagine Someone who has neither legs nor arms. Discuss how that person's life would be.

Let us now read about 'Nick Vujicik'. Nick Vujicik was born in 1982 in Brisbane, Australia. He was born without any arms or legs. His parents' baby who was so imperfect and abnormal.

Everyone said that Nick would never be able to live a normal and happy life. Nick's parents sent him to school with other normal kids. But he was bullied at school and he felt very lonely.

One day Nick read about a man who was born with extreme disabilities. That man had learned how he cope with his disabilities and got on with his life.

The story inspired Nick so much that he decided to change his life. From then on, he never looked back never felt sorry for himself.

Nick slowly learnt to do those things that normal people could do. Now he could clean his teeth, brush his hair, type on computer, swim, play sports and many more other things.

He began to accept his situation and wanted to achieve greater things in life. In grade seven, Nick was even elected Captain of his School. People began to love him.

When he was 19, he gave his first inspirational speech.

At 21, he graduated from college with a double major in Accounting and Financial Planning. In the year 2005, he was nominated for the "Young Australian of the Year" award which is big honour in Australia. He has his own Motivational Speaking Company 'Attitude is Attitude'. He now lives in California, USA. He has also written a book titled "Life without limits: Inspiration for a ridiculously good life."

Nick travels all around the world inspiring people to have confidence, be courageous and not to give up when you face failure. He says, "you need to get up and try again." He also tells many young teen girls to feel beautiful. It is because no matter how you look, you are beautiful just the way you are. Even without any arms or legs, Nick swims, surfs and plays golf and football. He is happy with his life. Nick has mentioned in his book, "You cannot control what happens to you, but you can control how you respond".

You don't need to have everything perfect in life to be happy. It is not what you don't have but what you have in life that matters. You should learn to make the best use of everything you've got. Nick lives a life without limits. He is a true inspiration for millions of people around the world.

This is what positive living truly means!

Yagyaseni Choudhary

B.Sc. 3rd year (CS)

SUCCESS SECRETS

All of us are gifted by God in one way or other. All that required is to bring out that hidden potential and no other than you can know what talent is hidden inside you. You are your best judge and critic too. The more you know about yourself, the better your performance will be.

Set your Goals : Unless we know where to go, we cannot reach there. The moment we fix a goal, we start thinking about it. In this process our brain releases a success mechanism which helps us in achieving our goal.

Always be motivated : Motivation is a strong driving force which provides us with the motive to achieve something big in life. Being successful is the greatest motivator.

Improve concentration : Concentration means to devote total attention to a subject. Just think of the subject in which you want to concentrate on and banish all other things from your mind.

Be self – disciplined : Success of a person depends upon discipline. Self-disciplined beings with understanding ourselves first and what do we want to achieve.

Learn Time Management : We all make the mistake of taking time lightly and then repenting later. Once you understand the importance of time, you will start using it wisely and become successful.

Along with these things, one should try to be a voracious reader and become good at writing also.



Payal Soni

B.Sc. 3rd year (CS)



BOOKS: OUR BEST COMPANION



If we ask a question to ourselves who can be the best companion when we are alone, then the most common answer would be "BOOK". Books are our best friends. They are the most appropriate

things on whom we can completely depend on. Whenever we visit a library alone, we don't feel that we are alone; we feel that the whole wide world has come into that library.

Book can take us anywhere in just a small time. Sitting in a room with our open book, we can be transported to the forest of Amazon, deep inside the sea and even in a world made up of chocolate and ice cream or skulls and bones.

Books are a huge source of information. We can get the information of any corner of the world through books. But today's world is changing, people are becoming less dependent on books and spending more time in the technological things such as mobile phones and computers, which is harmful if used for longer time. So, they should consider the

importance of books and should read more and more books. It helps them in many ways. Reading good books is the best way to improve the character of a person.

Reading books improve the understanding capacity and enhance the vocabulary. Thus, books are our best companions which show us the right track in our life. Books are a great source of information and entertainment therefore; we should keep reading as many books as we can.

Books are the amazing picture libraries for infants, the starting step in cultivating the habit of reading for children, the biggest help in studies for teenagers, the guide for adults, the budget and diet keeper for mothers, and the pass time for old grandmas and grandpas. Because there is no age limit for reading books.

The one, who reads books is always happy and is surrounded by friends every second, so read books and be happy.

Aparna Sahu

B.Com 1st year (Computers)



BELIEVE IN YOURSELF



There may be days when you get up in the morning and things aren't the way you hoped they would be.

That's when you have to tell yourself that things will get better. There are times when people disappoint you and let you down.

But those are the times when you must remind yourself to trust your own judgements and opinions, to keep your life focused on believing in yourself.

There will be challenges to face and changes to make in your life, and it is up to

you to accept them.

Constantly keep yourself headed in the right direction. It may not be easy for you at times, but in those times of struggle you will find a stronger sense of who you are.

So, when the days come that are filled with frustration and unexpected responsibilities, remember to believe in yourself and all that you want your life to be.

Because the challenges and changes will help you reach your goals, for you know that the dream of becoming successful was meant to come.

Chanchal Yadu

B.Sc. 1st year (Bio)

ADVICE TO YOUTH

I want to give advice to my fellow youngsters about their healthy life. At present, the type of daily routine which they are following is not good for their physical health as well as their mental health. I would like to suggest some changes that they should start to adopt in their life.

Firstly, the biggest problem in the life of today's youth is that they go to bed late and wake up late, which is not at all good for the life in general. A precious advice to them "Early to bed Early to rise make a man healthy, wealthy and wise", this old adage is really worth following sincerely. It definitely gives good result if you follow this regularly in your life.

Secondly, it is the food - they are having very unhealthy types of food and having food at very wrong time of the day or night. The junk food which they eat every day affect their mental and physical health drastically. This is a major cause of various diseases that is being found in youngsters these days. They have no

fixed time for having food.

Thirdly, the biggest root of all evil, not just for the youth but for mostly all people is the excessive use of Mobile phones and electronic Gadgets. I want to request all of you to come out of the virtual life of the various social medias and see that Nature is so amazingly beautiful, inspiring and unbelievable. At present we all are so busy, as usually said by everyone, but in reality, we waste time on mobile phones - using snapchat, WhatsApp, Instagram, Facebook and in watching reels, movies and YouTube videos.

Lastly, I want to say please start to read good books. Today in this selfish world they can become your best friend and a wonderful guide. It's time to Exit from the world of social media and Enter into the world of Books.



Ekta Jain

M.Com 1st Semester

LIFE WITHOUT LIFE SAVIOUR : MOTHER (A REAL EXPERIENCE)



"To the world you were a woman, a mother,
but for our family you were the world"

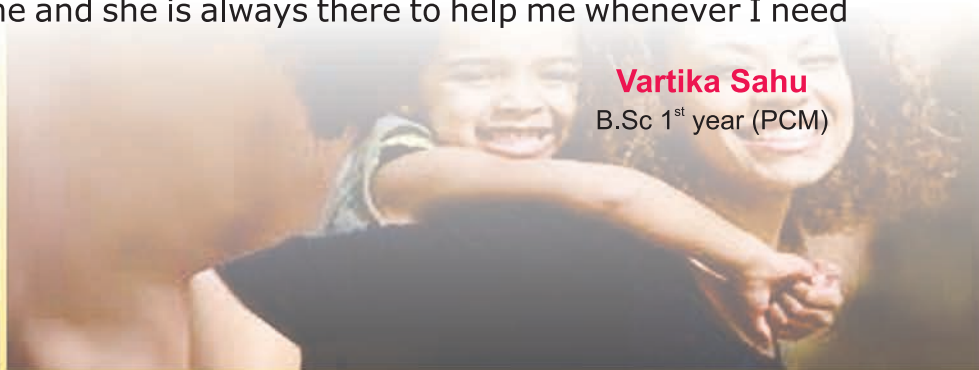
I am sharing my life experience with all of you, for all those who don't have mothers and have lost their mothers early in their lives. As a child, we all depend on our mother for everything, from morning to evening. In the same was, my life was going excellent with my small family. My mother struggled a lot financially, through her hard work she managed to raise me well. After 10 years of my birth my younger sister was born. She came like an angle in our lives. We prospered financially and were leading a very happy and peaceful life. But October 2015 was a like a nightmare for us and the turning point in my life as well. My mother got sick and bid good bye to us forever. I was just 15 years old and my sister was just 5 years old when my mother passed away. After her death, we went to stay with our maternal grandparents. They loved us and raised us well. From here my struggle started, I found it difficult to adjust in a joint family. Everything changed suddenly, my study, food habits, and many more things. I managed to complete my studies by going away from home, it was very difficult to go far away from my sister but for her better future. I had to become financially independent as soon as possible. I started earning and living independently. Now, my life is much better but my mother's absence still makes me feel lonely at times. I am working just for my sister as she is also struggling to adjust in a joint family but I know she is strong and she will succeed. We don't get to talk daily, but still, we share a very close bond.

To talk about this experience is painful for me, but it always gives me a new opportunity to prove myself. Though we have many relations in our lives, no one can ever fulfil the place of a mother or a father.

"A mother is never away from her children" This line is true as "I can always feel my mother's presence around me and she is always there to help me whenever I need her".

Vartika Sahu

B.Sc 1st year (PCM)



MINDFULNESS & MEDITATION: KEYS TO INNER PEACE



In the hustle and bustle of our modern lives, finding moments of tranquillity is essential. Mindfulness and meditation offer these respites, inviting us to reconnect with ourselves

amidst the chaos.

Mindfulness is the art of being present, embracing each moment without judgement. It equips us to manage stress, improve mental health, and enhance focus. This practice is as simple as paying attention to your breath or the sensations in our body. Mindfulness can be practiced at any time, in any situation, and doesn't require any special equipment.

Meditation, a deeper form of mindfulness, requires dedicated time. It involves focusing your attention, often on your breath or a mantra, and gently

returning when the mind wanders. The benefits are profound, from stress reduction to improved self-awareness.

They also promote emotional well-being, reducing symptoms of anxiety and depression. Enhanced self-awareness, helping individuals understand their thoughts and emotions in a better manner – these are some of the key outcomes. Moreover, regular meditation can improve focus, creativity and enhanced sleep quality. These practices empower us to navigate life's challenges with grace and resilience.

Both practices can lead to a calmer, more centered existence. Whether you have minutes or hours, incorporating mindfulness and meditation into your daily routine can transform your life, offering a sanctuary of peace in the midst of the daily whirlwind.

Eshita Agrawal

B.Sc 3rd year (Bio)





LIFE AFTER RAIN

Another day starts,
I hope it sparks.

Hope for a miracle

Protects me from becoming a skull

The sun becomes Scorching and the
Land grows hotter,
A single raindrop can save my
daughter's dreams.

Searching for an ashy cloud,

To bring my seeds, strong and proud

As time passes, gazing at the sky,
Farmers foil beneath their spirits high.

When the thunder roars and the

Sky goes dark,

farmers find solace, though it
may leave its mark.

And as the raindrops fall, their
gratitude won't stop.



COLLEGE

I Can't Wait to go to college
Not only to gain new knowledge
But to see new faces
Meet new friends.
People who don't know my past
Can then see me as I am,
I can't wait to go to college
To lose some of my past
For a new, bright future.



Poonam Dhenge
B.Com 1st (Plain)



Nikhat Raza
B.Sc. 1st year (Bio)



WHY DEVOTION IS ESSENTIAL



Devotion helps us to remember that no matter what is happening in the world, God will always hold it all in his hands.

You Grow spiritually – Devotion leads one to find inspiration in your spiritual journey. While each individual's day may not seem particularly impactful, when you take time to be with God each day, the cumulative effect will cause you to grow and mature.

You get to know God - God created us to be in a relationship with him. When sin corrupted the world, we became separated from God. But he never stopped wanting us to be in a relationship with HIM. Learning more and more about God each day will help you deepen your relationship with HIM.

You find peace - Perhaps the most immediate benefit of being devoted is to get the feeling of being at peace. Once in a while, we all feel hopeless, over whelmed, anxious, or lonely. Reading devotional scriptures in such situation will bring much needed peace and make one feel closer to God. Experiencing God's grace and love for you is something you can always take comfort in.

You begin to apply the Bhagavad Gita - 'Bhagavad Gita' – when we start reading this pious scripture, we start feeling as if God is speaking directly to us. The Bhagavad Gita teaches us that our life purpose is actually found in our life journey itself. It teaches us to focus more on what we can get out of our actions and focus less on the outcomes of our actions. We will eventually start living our life with deep intention.

This can be hard to put into practice but by walking a path of self-discovery you can determine what's truly important to you. You will find courage to confront the challenges ahead of you and devote yourself wholly to the life you have created.

One should take time to read the Bhagavad Gita. You will definitely find warmth in the sacred teachings, which will eventually make you realise the real purpose of your life. You just need to believe in yourself, surrender completely and get immersed in the devotion of the Almighty.

Here some quotes from the Bhagavad Gita -

- "You are what you believe in. You became that which you believe you can become."
- "Self-control is the Mantra of success".
- Live a well-balanced life, it will bring peace".
- "Detachment from material things is the way to inner peace".
- "Love, tolerance, and selflessness should be practiced".
- World's well-being starts with self-sacrifice".

Samiksha Singh

B.Sc. 3rd year (CS)

BEAUTIFUL GIFT OF GOD'S BLESSINGS



We must agree with Helen Keller that it would be a blessing if each person was to become blind and deaf for a few days during his adult life. Darkness would make him appreciate sight. Silence would teach him the joys of sound.

“With eyes of appreciation, you awaken to the real miracles of life” Haven't we all taken the best things in our lives for granted? Every one of us has family, friends and acquaintances; but even then, often we feel lonely, completely alone in this populated world because instead of counting our blessing, we keep counting what we lack, what we want. Human wants are like an endless set of unfulfilled desires. As we all know, this feeling of void, makes us struggle to get more and more desires fulfilled. This constant feeling of 'lack' is what makes us the most unhappy.

With an appreciation for what you have even if you don't get more, you will still be at peace. You will still feel rich. As they say, “He who has more is wealthy, he who needs less is rich”. It's a matter of how you look at it. Don't just go around counting and counting. Open your eyes to what a beautiful life has been given to you as a wonderful gift of God. Don't move around blinded by the veil of your desires just because society wants you to get into the race of getting more, better and best out of life.

Just sit back and relax! Then start counting all the things God has already given you. Start counting your blessings and as the days go by, your count will increase. Because you will admire more and more the very things that you would have otherwise taken for granted. Then and only then, you will feel contented and happy. Since you have been given the ability to be thankful for what you have, then how can you be a 'pauper'? Give it a serious thought. If you still want more and want your wishes to be granted, stop taking your blessings for granted. Count you joys instead of year woes. Count you friends instead of your foes.

S. Komli

B.Sc. 3rd year (CS)

MENTAL HEALTH AND RESILIENCE : FOR ME CHESS WAS THE SAVIOUR



"Health is wealth" Mental fitness is incredibly important for overall well-being. Taking care of mental health is like exercising our brain. It's all about building strength, flexibility, and coping skills to handle life challenges. Just like physical fitness, mental fitness requires practice and effort.

Nowadays depression is too common and there can be various causes for feeling mentally unfit, such as genetic factors, chemical imbalances in the brain, traumatic experience, chronic stress, high stress levels, lack of self-care or even certain life events. It is important to listen to our "Health is wealth" Mental fitness is incredibly important for overall well-being. Taking care of mental health is like exercising our brain. It's all about building strength, flexibility, and coping skills to handle life challenges. Just like physical fitness, mental fitness requires practice and effort.

Nowadays depression is too common and there can be various causes for feeling mentally unfit, such as genetic factors, chemical imbalances in the brain, traumatic experience, chronic stress, high stress levels, lack of self-care or even certain life events. It is important to listen to our body and mind also. Some ways to boost mental fitness includes practicing self-care, staying connected with loved ones, seeking support when needed, and engaging in activities that bring you joy and relaxation.

Human mind plays crucial role for overall well-being. Everyone should play mind games, and one of the best options is chess. However, chess is not only a game of strategy but also a great way to exercise our brain muscles. It helps to develop critical thinking, problem solving, strategic planning skills and maintaining a memory, concentration, and decision-making abilities.

Playing chess can lead to various positive outcomes. Additionally, chess can boost creativity, patience, and perseverance. So, one can develop these skills and qualities which is helpful in challenging our mind and helps develop resilience, patience and focus. Taking care of our mental well-being is just as important as physical fitness. It's all about nurturing our mental health and cultivating the strength to bounce back from difficult situations in life.

Yashavi Sahu
B.Sc. 3rd year (PCM)

THE SORRY LETTER DAY : A LESSON IN UNITY AND ACCOUNTABILITY



Imagine a day when our entire class came together for an adventurous escape that taught us the importance of accountability. Let me take you on a journey through "The sorry letter Day".

With mischievous excitement, our class devised a plan to bunk a period. We divide into groups, sneaked out of the classroom, and scattered around the college campus. Some found solace in the garden, while others indulged in the deliciousness of pani puri at the nearby stall.

We know that our teacher, usually cool-minded, was silently observing our actions. As the bell rang, signalling the end of the period we had bunked, we returned to our class, unaware of the consequences that awaited us.

To our surprise, our teacher entered the classroom accompanied by the head of department (HOD) Madam. Our teacher's anger was evident as they scolded us for our actions. We were asked to write sorry letters as a gesture of our accountability and remorse.

Through our sorry letters, we expressed our sincere apologies to our teacher, and asked for heartfelt forgiveness. We made a promise to ourselves and our teacher that henceforth we would not bunk classes.

"The sorry letter Day" taught us the importance of unity, acceptability, and the importance of communication. It was a reminder that even the most adventurous plans can have consequence. We emerged from this experience with a new found respect for our teachers and a commitment to honesty and responsibility.

Remember, it's always better to communicate and seek permission rather than taking impulsive action. Let's cherish the memories and the lessons learned from "The sorry letter Day" as we continue our journey through our memorable college life....

Suvigya Singh
B.Sc. 3rd year (PCM)

THE BEAUTY OF SPRING

I think of the season of spring
And the ending of winter
Coming to a beauty span
Which is a beauty of nature,

Think of the season of spring
And the worker's song
The aroma of the jasmine
Which relaxes me for hours long,

I think of the season of spring
Which is a season of health
But some people are so unlucky
As they are too busy with their own
wealth,

I think of the season of spring
From February till March
Filled with the fear of annual exam
Which makes the mind completely dark,

I think of the season of spring
And the colourful festival of holi
The occasion of joy and happiness
And the ending of the spring slowly.

"The beauty of
spring makes my
heart sing."



Shruti Pandey
B.Com 1st year(Plain)

RAMESHBABU PRAGYNONANDHA



Full name – Rameshbabu Praggnanandhaa

Born – 10 August 2005. Chennai, Tamil Nadu, India

Title – Grandmaster (2018)

“Move in silence, only speak when it's time to say - check mate”

Praggnanandhaa was born in Chennai, Tamil Nadu on 10th August 2005. His father Rameshbabu worked as a branch manager at TNSC Bank. In 2016 Praggnanandha became the youngest International Master in history at the age of 10-year, 10 month, 19 days. He achieved his first Grandmaster title at the World Junior Chess Championship in November 2017. Finishing fourth with 8 points Pragynandha or Pragy as he's popularly known belongs to a generation of young India. Pragynandha was inspired to play chess by his elder sister. Today Praggnanandhaa has travelled to over 30 countries to play chess and make his career in this sport. World No. 1 and Indian's first Grand Master, Vishwanathan Anand as his inspiration.

“Every chess master was once a beginner.” India's 18-year-old Grand Master R Praggnanandhaa lost in the final of the FIDE World Chess Championship. He defeated world no. 3 Fabiano Caruana in the semifinal, but could not break the challenge of Norway's Magnus Carlsen in the Finals. He lost in a tie breaker against the world's no. 1 player. If Praggnanandhaa had won the Finals, he would have become the second Indian to win the tournament, but it didn't happen.

Praggnanandhaa likes to play cricket apart from chess. Whenever he gets a chance, he goes to play cricket matches.

“Do the best you can until you know better. Then when you know better do better”

Praggnanandhaa's coach was not with him during the chess World Cup, but he kept improving match by match. Defeated the world's number two and three players. He lost to the World's top player in the Finals. But when the match was over, the world champion was clapping for him. Praggnanandhaa is expected to win big titles in the coming times.

“The more you know of your history, the more liberated you are”

“Life is like a chess game – you don't want to waste a move”

Umra Ahmad
BCA 1st year

THE ACTION OF DELAYING



All of us guilty of putting off our homework till the last minute or perhaps studied for the test only a day before. We do delay our task by putting off crucial work until a later date. This habit, this practice or action of purposefully delaying any task or activity is known as procrastination.

Procrastination is not a rare phenomenon and almost everyone finds themselves guilty of procrastinating at some point in their lives. We waste most of our time by procrastinating. The reason for procrastination varies from person to person and situation to situation; however, some causes are universal and may have particular reason to delay in taking required actions. By choosing to delay or never finish the task, we do have to face the consequences as well.

The lack of focus and determination is another big reason for procrastination. People losing their will to do the given task at hand can be due to the feeling of being unfocused and not having the right direction to complete that task. This will eventually lead them to procrastinate. Lack of goals and objectives are also some other important reasons behind the person losing their focus to complete the work in time. Sometimes when you do not have a defined end goal in mind, most people end up investing energy in other useless tasks. Procrastination is a very natural fault we all share but if things get out of our hands, then it can be really troublesome. We lose control of our schedule and deadline, which can eventually disrupt our life due to excessive procrastination. We are all victims of procrastination from time to time in our life; in this case one should try to get things back in control in time, before the habit of procrastination gets out of hand.

Mansi Sarkar
B.Com 3rd year

A SOLDIER'S DUTY TO HIS NATION

If I die in a war zone,
box me up and send me home.
Put my medals on my chest, tell my mom I did my best.
Tell my dad not to bow, he won't get tension from me now.
Tell my brother to study perfectly, key of my bike will be his permanently.
Tell my sister not to be upset, her bro will take a long sleep after sunset.
Tell my nation not to cry.
"Because I'm a soldier born to die."



Vani Patel
B.Sc. 2nd year (Bio)

The Untold Words

THE UNTOLD WORDS



Even though we are living in 21st century, but still the youngsters, teens of today, we all are suffering from what is called as “keeping secrets”. Most of us have got some problem or the other, when it comes to sharing our feelings. We are at such a phase of our life that we think we are pretty grownups and can handle the matter on our own. But this is not the actual fact, and there are several places where we may falter.

Today's generation do not talk much on the social issues and problems that they are facing related to sex education, sexual preference, sexual abuse and more importantly mental health etc. We live in a society where we are asked to shut our mouth when we want to speak about the reality that we get to face on a day-to-day basis. Nowadays incomplete conversation leads to stress, anxiety and these situations lead to unwanted outcome ending in arguments. It is well said by Hans Selye “It is not stress that kills us, it is our reaction to it.”

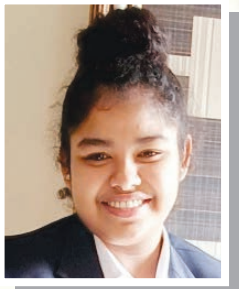
The reaction to the situation must be positive, we have to tackle the problem with calm and patience with the help of our family and friends. Youngsters think that parents will not listen to them and would just ignore their thoughts and ideas. It is just that their way of making us understand things is different, which we fail to see in a positive manner. They have also faced such situation, maybe not similar but not very different to what we are facing today. Eventually, once we grow out of this phase of teenage, we will learn to understand the situation and accept the real problem. The one and only solution for this is to have healthy, honest communication with our family and friends, to convey our point of view in a positive way and solve things amicably. This will definitely help us to grow and develop as a successful individual.

Ruchi Sahu

B.Com 1st year 'Computers'



Self-Discovery the Best Discovery



Self-discovery is a process of self-reflection, exploration and constant growth, that can help you gain a clearer sense of purpose and direction in life. It can also lead to improved relationship, better decision making and enhanced well-being. As a human being we are constantly evolving and growing, one of the most important journeys we can embark on is a journey of self-discovery.

There are several reasons why self-discovery is so important :

- I. Clarifies your Values - Self-discovery helps you to identify and clarify your values, which are the guiding principles that influence your decisions and actions.
- II. Build self-awareness - Understanding yourself better, which is the foundation for personal growth and development.
- III. Identify your Strengths – Self-discovery can help you identify your strengths, which are the qualities and skills that come naturally to you. This will help you achieve success in life.
- IV. Uncover your Passion - Discovering what you are passionate about can help you choose a career path that aligns with your interests and values.
- V. Recognise your weakness – Self-discovery can help you identify areas where you need to improve and develop a plan to address them.
- VI. Make better decisions - Understanding yourself better can help you make better decisions that align with your values and goals.
- VII. Enhanced well-being - Finally self-discovery can enhance your overall well-being by helping you build self-confidence, reduce stress and improve your mental health.

To conclude, self-discovery is a powerful tool for personal growth and development. By understanding ourselves better we can make better decisions, build stronger relationships and live a fulfilling life. So, take time to explore who you are and what you want from your life, you won't regret it.

Vaishanavi Sikdar
B.Sc 3rd year (Bio)

Say No to Junk Food



A question often arises and it is really surprising to know how our grandparents were so fit and healthy, and even now in their old age, they are fit, healthy and disease free. They are able to perform every task that the young generation aren't able to perform. Their secret is the healthy diet and food habits they had been following sincerely during their youth and are following the same till now.

Today's generation of teens and youngsters are foodies, but they are crazy about eating junk food, processed and packed food items. They are mostly seen spending a lot of time and money around the food zones. The junk food that they have is totally devoid of the required nutrition, thus leading to many health problems like obesity, diabetes, high blood pressure and many other issues. This is mainly due to the high salt content in packed and junk food. These food items lack vital nutrients, vitamins and minerals. The level of salt, sugar and fats in most of the junk food is extremely high.

Now-a-days, eating out has become a fad and the clubs and restaurants, cater to the demands of the youngsters and serve them equally unhealthy junk food. These children feel that the food they have at home is rather tasteless, boring and monotonous. Another important reason is that they have food at any time they want, which is very unnatural and harmful for their health. But what they forget to understand is that, the nutrient value in homemade food is far better and equally healthy than the junk food that they desire to have. They fail to realise that the packed food items and junk food provide only temporary satisfaction and create a false craving, leading to addiction for these. If this addiction isn't corrected in the beginning itself, then it may lead to drastic health issues.

This is totally hampering the health of our young generation and in the long run it will prove detrimental. They may not be able to perform well and give their best in life, if they are not in the pink of their health. Let's follow a healthy diet and take a pledge to have homemade food, having proper meals at specific time, on a regular basis, so that we can be as healthy and fit as our grandparents and the older generation.

Preeti Singh Tomar

B.Sc 3rd year Bio

महाविद्यालय परिवार वर्ष 2023-24



बैठे हुए (दायें से बायें)	डॉ. सिमरन वर्मा, श्रीमती कविता सिलवाल, डॉ. सीमा चन्द्राकर, डॉ. अमिता तेलंग, डॉ. संध्या गुप्ता (प्राचार्य), डॉ. राजेश अग्रवाल, डॉ. वंदना अग्रवाल, डॉ. अदिती जोशी, डॉ. रिन्कु पांडे, डॉ. मेघा अग्रवाल
प्रथम पंक्ति (दायें से बायें)	डॉ. ज्योति अग्रवाल, श्रीमती प्रियंका तिवारी, कु. प्रीति साहू, कु. पुनम गोस्वामी, डॉ. अनुराधा गुप्ता, डॉ. देवश्री वर्मा, श्रीमती रात्रि लहरी, डॉ. टीनु दुबे, श्रीमती वर्षा सोनी, अवतिका सोनी, डॉ. अंकिता चौधरी, कु. अशिका दुबे, सुश्री स्नेहा ठाकुर श्री गौकरण साहू
द्वितीय पंक्ति (दायें से बायें)	श्रीमती रेणु गिडियन, कु. गौतमी यादव, कु. मान्या शर्मा, श्री मनोज कुमार साहू, श्री वैभव सिंह ठाकुर, श्री शैलेन्द्र यादव, श्री कमलेश निर्मलकर, श्री प्रशांत पांडे, श्री सतीश तिवारी, श्री छबि राम साहू

शहर के गुरुकुल महिला महाविद्यालय में कलश सजाओ का आयोजन

गुरुकुल महिला महाविद्यालय का कॉलेज में मुस्कान और यशोकीर्ति विनर

गुरुकुल महिला महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन

रायपुर, 8 दिसंबर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय वार्षिकोत्सव में अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन रंग मंदिर में किया गया। इस प्रतियोगिता में सूर टीम विजेता रहे तथा धूम टीम उपविजेता रही। डॉ राजेश अग्रवाल, प्रीति साहू, वर्षा सोनी पूनम गोस्वामी प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार हैं। विजेता टीम - चंचल पटेल, सुखसू बर्मा, तृप्ति चौहान, दुलेश्वरी रघुवंशी उपविजेता टीम - प्राची साहू, भूमिका साहू, भूमिका साहू, कंचन देवांगन। इस प्रतियोगिता में चार समूह बनाए गए जिसका नाम क्रमशः सुर, लय, ताल और धुन थे। कल समूह / युगल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

अंताक्षरी प्रतियोगिता में सूर टीम विजेता बनीं

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय वार्षिकोत्सव के अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन रंग मंदिर में किया गया। इस प्रतियोगिता में चार समूह बनाए गए। सूर, लय, ताल और धुन समूह बनाए गए। अंताक्षरी प्रतियोगिता में सूर टीम विजेता बनीं। विजेता टीम में चंचल पटेल, सुखसू बर्मा, तृप्ति चौहान, दुलेश्वरी रघुवंशी शामिल थीं। उपविजेता टीम में प्राची साहू, भूमिका साहू, कंचन देवांगन शामिल थीं। महाविद्यालय में 9 दिसंबर को समूह - युगल नृत्य प्रतियोगिता होगी।

नवभारत

राजधानी • 09 Dec 2023 • 09 raj 2

epaper.navabharat.news

गुरुकुल में अंताक्षरी स्पर्धा, सूर टीम विजयी

रायपुर, 8 दिसंबर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय वार्षिकोत्सव में अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन रंग मंदिर में किया गया। इस प्रतियोगिता में सूर टीम विजेता रहे तथा धूम टीम उपविजेता रही। डॉ राजेश अग्रवाल, प्रीति साहू, वर्षा सोनी पूनम गोस्वामी प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार हैं। विजेता टीम - चंचल पटेल, सुखसू बर्मा, तृप्ति चौहान, दुलेश्वरी रघुवंशी उपविजेता टीम - प्राची साहू, भूमिका साहू, भूमिका साहू, कंचन देवांगन। इस प्रतियोगिता में चार समूह बनाए गए जिसका नाम क्रमशः सुर, लय, ताल और धुन थे। कल समूह / युगल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्राची साहू ने सजाया सबसे बढ़िया कलश

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में बुधवार को महाविद्यालय में कलश सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 45 छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बी. कॉम. प्रथम वर्ष की छात्रा प्राची साहू ने सबसे आकर्षक कलश सजाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं बी.सी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा यशोदा पटेल को द्वितीय एवं बी. कॉम. प्रथम वर्ष की छात्रा हर्षिका टंडन को तृतीय स्थान मिला। प्रतिभागी छात्राओं ने कलश के माध्यम से सनातन संस्कृति को बखूबी प्रदर्शित किया। सभी ने एक-दूसरे से अलग-अलग शैली में कलश सजाए।

छात्रों ने रंगोली में उकेरे श्रीराम राधा-कृष्ण और चार्ली चैपलिन

रायपुर। राधा-कृष्ण, श्रीराम, चार्ली चैपलिन को छात्राओं ने रंगोली में उकेरा। गुरुकुल महिला महाविद्यालय में चल रहे वार्षिकोत्सव के अंतर्गत रंगोली में छात्राओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इसके अलावा 'वृक्षों को बचाएं' विषय पर आधारित मनमोहक रंगोली भी कैपस में छात्राओं ने बनाई। रंगोली में कलर कॉम्बिनेशन और उनकी बारीकियों पर भी कार्य किया गया। छात्राओं ने दिए गए थीम पर अपने विचारों को कलाकृतियों के माध्यम से सामने रखा।

यशस्वी रही प्रयत्न

बीएससी तृतीय वर्ष की यशस्वी साहू को प्रथम, बीकॉम द्वितीय वर्ष की सोनम तांडी को द्वितीय और बीएससी प्रथम वर्ष की रितिका जेठेल को तिसरा स्थान मिला। निर्णायक डॉ. अमिता तेलंग और डॉ. आराधना सिंह रही। रंगोली प्रतियोगिता प्राध्यापक प्रियंका तिवारी, डॉ. अजयराज गुप्ता, डॉ. देवश्री वर्मा की मार्गदर्शिका थीं। प्रतियोगिता में प्रथम यशस्वी साहू, द्वितीय सोनम तांडी और तृतीय रितिका जेठेल थीं।

गुरुकुल गर्ल्स, डॉ. राधाबाई गर्ल्स कॉलेज और होली हाटर्स स्कूल में एनुअल फेस्ट का आयोजन

नृत्य से नारी शक्ति का बखान, यशा टीम विनर

विजेता टीम: यशा

स्टेज पर पार्टिसिपेंट्स ने और ग्राउंड पर गर्ल्स ने मचाया धमाल

रा. राधाबाई गर्ल्स कॉलेज में एनुअल फेस्ट का आयोजन हुआ। एनुअल फेस्ट में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। यशा टीम विजेता बनी। विजेता टीम में यशा, लय, ताल और धुन थे। कल समूह / युगल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

गुरुकुल कॉलेज में कलश सजाओ प्रतियोगिता

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव के तहत बुधवार को कलश सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 45 प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्राओं ने प्रतिभागिता में कलश के माध्यम से अपनी संस्कृति को बखूबी प्रदर्शित किया। सभी छात्राओं ने एक-दूसरे से अलग कलश सजाये। 67 ने गणेश, मोर पंख, धान, चावल, दाल एवं फलों के बीज से कलश का सजाया। निर्णायक मंडल में डॉ. देवश्री वर्मा और तृप्ति त्रिपाठी थीं।

नवभारत

राजधानी • 07 Dec 2023 • 07 raj 3

epaper.navabharat.news

नईदुनिया रायपुर सिटी

रायपुर की नई दुनिया

रायपुर की नई दुनिया

रायपुर की नई दुनिया

रायपुर

रायपुर की नई दुनिया

रायपुर की नई दुनिया

रायपुर की नई दुनिया

विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में फायरलेस कुकिंग और बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन

विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में फायरलेस कुकिंग और बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन

मोदक बनाने वाली गुप यानी ईशा वर्मा की गुप रही. वहीं वेज पॉप और भेल बनाने वाले खुशी जैन एवं गुप को सात्वना पुरस्कार दिया गया.

मोदक बनाने वाली गुप यानी ईशा वर्मा की गुप रही. वहीं वेज पॉप और भेल बनाने वाले खुशी जैन एवं गुप को सात्वना पुरस्कार दिया गया.

घर में बनाएं डिटॉक्स वाटर, एसिडिटी होगी दूर और डाइजेशन भी सुधरेगा

घर में बनाएं डिटॉक्स वाटर, एसिडिटी होगी दूर और डाइजेशन भी सुधरेगा

रायपुर. गुरुकुल महिला महाविद्यालय द्वारा दिनांक 16/10/23 विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में इको क्लब (हरिहर वसुंधरा) द्वारा महाविद्यालय में फायरलेस कुकिंग और बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रायपुर. गुरुकुल महिला महाविद्यालय द्वारा दिनांक 16/10/23 विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में इको क्लब (हरिहर वसुंधरा) द्वारा महाविद्यालय में फायरलेस कुकिंग और बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पत्रिका

पत्रिका

राजधानी की सड़कें हों चकाचक, महिला सुरक्षा को दें प्राथमिकता

राजधानी की सड़कें हों चकाचक, महिला सुरक्षा को दें प्राथमिकता

घर में बनाएं डिटॉक्स वाटर, एसिडिटी होगी दूर और डाइजेशन भी सुधरेगा

घर में बनाएं डिटॉक्स वाटर, एसिडिटी होगी दूर और डाइजेशन भी सुधरेगा

रायपुर. गुरुकुल महिला महाविद्यालय द्वारा दिनांक 16/10/23 विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में इको क्लब (हरिहर वसुंधरा) द्वारा महाविद्यालय में फायरलेस कुकिंग और बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रायपुर. गुरुकुल महिला महाविद्यालय द्वारा दिनांक 16/10/23 विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में इको क्लब (हरिहर वसुंधरा) द्वारा महाविद्यालय में फायरलेस कुकिंग और बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पॉजीटिव इंडिया

पॉजीटिव इंडिया

Link : <https://www.positiveindia.net.in/gurukul-college-main-fireless-cooking-k-ayojan/>

गुरुकुल कालेज में फायर लेस कुकिंग काम्पटिशन और बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया



कला महाविद्यालय की डॉ. संध्या वर्मा, महाविद्यालय की प्राचार्य एवं समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित हुये। दोनो प्रतियोगिता का परिणाम निम्नानुसार है:- फायरलेस कुकिंग परिणाम विजेता श्रेणी व्यंजन का नाम नाम कक्षा प्रथम पुरस्कार स्वीट शुगर क्रंच क्रिस्पी स्पाईस निकहत रजा एवं समूह बी.एस.सी. प्रथम (बायो) द्वितीय पुरस्कार कुरकुरे चाट, गुपचुप, फ्रुट मसाला, चना मसाला शिखा सरकार एवं समूह बी.एस.सी. प्रथम (बायो) तृतीय पुरस्कार बिस्किट मोदक ईशा वर्मा एवं समूह बी.एस.सी. द्वितीय (कम्प्यूटर/मैथ्स) सात्वना पुरस्कार वेज पॉप और भेल खुशी जैन एवं समूह बी.सी.ए. अंतिम वर्ष / बी.काम अंतिम वर्ष

MEDIA



गुरुकुल महिला महाविद्यालय रायपुर में ब्रेस्ट कैंसर पर जागृति हेतु व्याख्यान



रायपुर: गुरुकुल महिला महाविद्यालय, कालीबाड़ी रोड़ रायपुर में आज दिनांक 5/10/2023 को लायंस क्लब रायपुर समर्पण द्वारा ब्रेस्ट कैंसर पर जागृति हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गुरुकुल महिला महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया गया।



कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. मंजू सिंह प्रोफेसर/विभाग अध्यक्ष डिपार्टमेंट ऑफ सर्जरी, पंडित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय रही। उन्होंने छात्राओं को ब्रेस्ट कैंसर से संबंधित व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में छात्राओं को बताया कि ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में होने वाले कैंसर के सबसे गंभीर प्रकारों में से एक है।

देश में स्तन कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अगर कैंसर के प्रारंभिक चरण में इसका पता चल जाए तो इसका उपचार संभव है। ब्रेस्ट में होने वाली गांठ स्तन कैंसर के सामान्य लक्षण है। स्तन के आकार या आकार में बदलाव, निपल डिस्चार्ज, स्तन पर त्वचा में परिवर्तन, जैसे रेडनेस या सिकुड़न, लगातार स्तन में दर्द या बेचौनी आदि इसके लक्षण है। नियमित व्यायाम और फलों

और सब्जियों से भरपूर संतुलित आहार के साथ स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखना इससे बचने के उपाय हैं।



इस अवसर पर लायंस क्लब रायपुर से अध्यक्ष सुलेखा मुखर्जी चौपटर प्रेसिडेंट डॉ. संगीता नेरल, भावरा, सीमा गुप्ता तथा सुजाता भटनागर उपस्थिति रही। महाविद्यालय की छात्राओं एवं प्राध्यापकों के लिए यह व्याख्यान बहुत ही ज्ञानवर्धक रहा। इस अवसर पर छात्राओं ने मन में उठने वाले प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किये। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर संध्या गुप्ता ने लायंस क्लब के सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

जूनियर ने किया रैंप वाक, स्वागत के लिए सीनियर ने दी नृत्य-संगीत की प्रस्तुति

गुरुकुल महिला महाविद्यालय में नव प्रवेशी छात्रों के स्वागत के लिए स्वागत समारोह का आयोजन रायपुर में किया गया। जूनियर के स्वागत के लिए सीनियर ने नृत्य, संगीत के माध्यम से समावेशन समारोह के लिए वक्तूरे, गेम्स, मेकअप करना, फूलों से एक मिनेट में माला तैयार करना, जैसे अनेक मनोरंजक गेम्स का नवप्रवेशी छात्रों ने आनंद उठाया। ये वाक करने हुए जूनियर ने सीनियर के पूरे प्रश्न का उत्तर दिया। विभिन्न कक्षाओं में दर्शन के आखिर पर उजमा कौसर (एम काम प्रथम), रुचिका साहू (बी.एस.सी प्रथम), निरमला साहू (बी.सी. प्रथम), आकांक्षा राजपूत (पीजीडीसीए) और स्ली साहू (बी. काम प्रथम) को मिस फ्रेशर चुना गया। इनके बाद सभी छात्रों ने एक साथ हिंदी छात्रसंघ की गीतों पर गायन किया।



छत्तीसगढ़ ब्यूरो चीफ मनदीप सिंह व रंजन नाग

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का विश्वसनीय न्यूज पोर्टल

प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए स्वागत समारोह का आयोजन

MD भारत न्यूज रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय में प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में द्वितीय एवम तृतीय वर्ष की छात्राओं ने नृत्य संगीत से समा बांधा। छात्राओं के लिए बलून गेम्स, आंख बांधकर मेकअप करना, फूलों से एक मिनेट में माला तैयार करना, जैसे अनेक मनोरंजक गेम्स रखा गया था। प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए रैंप वॉक कराया गया। प्रश्न पूछे गए जिससे मिस फ्रेशर चुना गया। कार्यक्रम का संचालन यशस्वी और सुविज्ञा ने किया। विभिन्न कक्षाओं से मिस फ्रेशर उजमा कौसर (एम काम प्रथम), रुचिका साहू (बी.एस.सी प्रथम), रुही साहू (बी काम प्रथम), निर्मला साहू (बी. सी. ए. प्रथम), आकांक्षा राजपूत (पीजीडीसीए) चयनित किए गए।



गुरुकुल महिला महाविद्यालय में प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए स्वागत समारोह का आयोजन



रायपुर : गुरुकुल महिला महाविद्यालय में आज दिनांक 25/09/23 को प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में द्वितीय एवम तृतीय वर्ष की छात्राओं ने नृत्य संगीत से समा बांधा। छात्राओं के लिए बलून गेम्स, आंख बांधकर मेकअप करना, फूलों से एक मिनेट में माला तैयार करना, जैसे अनेक मनोरंजक गेम्स रखा गया था।



प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए रैंप वॉक कराया गया। प्रश्न पूछे गए जिससे मिस फ्रेशर चुना गया। कार्यक्रम का संचालन यशस्वी और सुविज्ञा ने किया। विभिन्न कक्षाओं से मिस फ्रेशर उजमा कौसर (एम काम प्रथम), रुचिका साहू (बी.एस.सी प्रथम), रुही साहू (बी काम प्रथम), निर्मला साहू (बी. सी. ए. प्रथम), आकांक्षा राजपूत (पीजीडीसीए) चयनित किए गए।

National Seminar



15 August



Anti Ragging Cell



Best out of Waste



Breast Cancer



Commerce Council



Computer Council



Fireless cooking



Fresher Party



Hindi Diwas



Induction Program



NSS



Science Council



Madhavrav Sapre



SPORTS



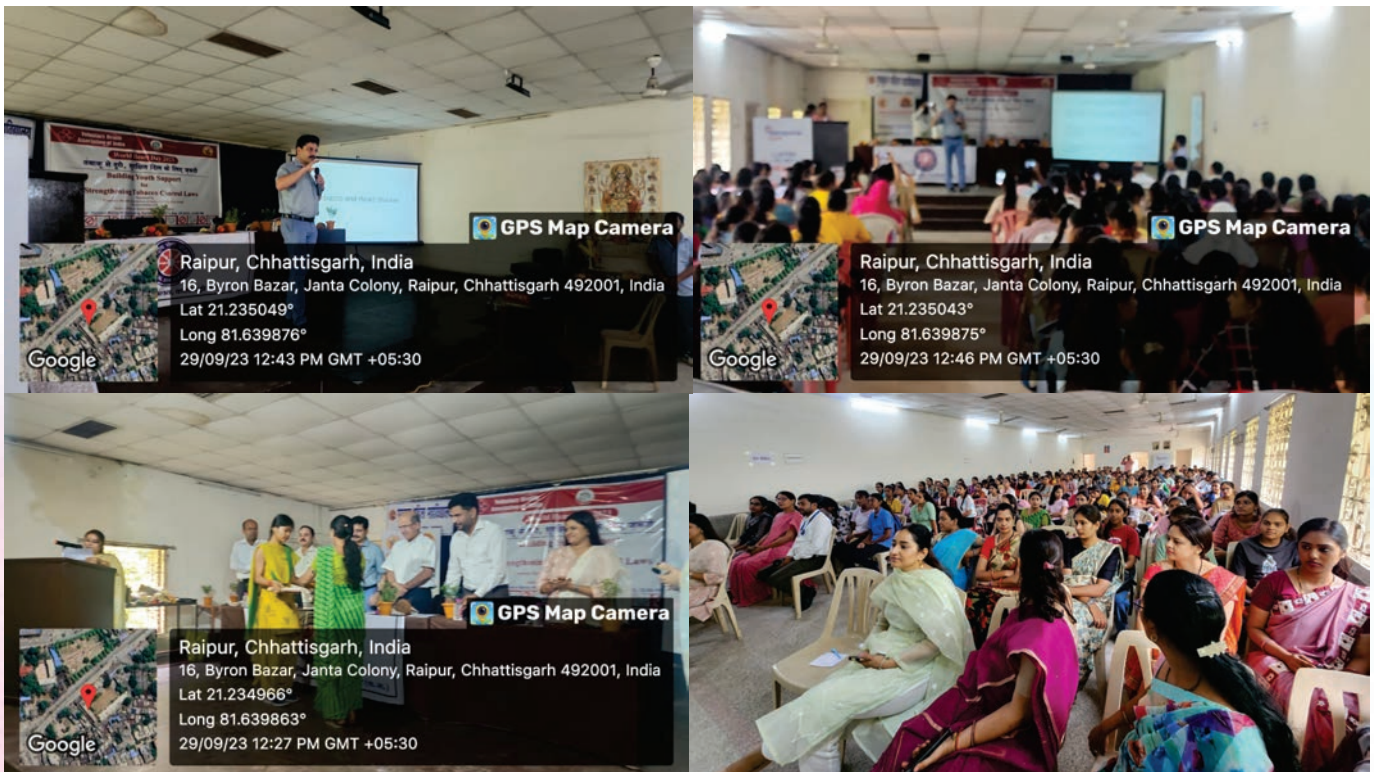
Swalambi Bharat



Tanao Prabandhan



Tobacco Program



Yoga



Yogasan



स्व. श्रीमती डॉ.अनीता सेन

पूर्व अध्यक्ष



देश के सुविख्यात तुमरी गायिका शिक्षाविद्, साहित्य की पोषक स्व. डॉ. श्रीमती अनीता सेन में बाल्यावस्था से ही संगीत के प्रति समर्पित भावना दिग्दर्शित होने लगी थी। श्रीमती सेन में अनेक ऐसे गुण विद्यमान थे जिनके कारण वे अत्यंत लोकप्रिय रही है।

सत्यमशिवम्-सुन्दरम् के अतिरिक्त संगीत साधना एवं पति आराधना की प्रवृत्ति से ही सुर लय ताल का एक ऐसा संगम निर्मित हुआ जहाँ संगीत की स्वर लहरियाँ उनके जीवन में प्रगति और सफलता की अनूठी मिसाल बन गई।

एक पात्र के रूप में पुनीता, विदुषी और विभिन्न उत्कृष्ट उपमाओं से अलंकृत स्व. डॉ. श्रीमती अनीता सेन भले ही सशरीर हमारे साथ नहीं हैं, किन्तु आजीवन उसकी स्मृति हमारेमानस पटल पर अमिट रहेगी।



भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति द्वारा संचालित

गुरुकुल महिला महाविद्यालय

कालीबाड़ी रोड, रायपुर (छ.ग.) फोन : 0771-4053443

Email: info@gurukulraipur.com

Website : www.gmm.ac.in